डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

संतु सरोज महिला थाना प्रभारी...

आधुनिक समाचार

सिनेमाःकान्स में सिल्वर हुड वाले आउटफिट...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -79 | प्रयागराज, बुधवार 31 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में कांग्रेस विधायक के परिसरों पर मारे छापे

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड में धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव तथा अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य की पोरैयाहाट सीट से पांच बार के विधायक यादव राज्य विधानसभा में पार्टी के उपनेता भी हैं। सूत्रों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में विधायक तथा अन्य से जुड़े, राज्य के कम से कम 12 स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। गौरतलब है कि यादव (57) और पार्टी के एक अन्य विधायक के खिलाफ कर चोरी के मामले में 2022 में आयकर विभाग ने छापा मारा था।

'दिशानिर्देशों के बावजूद बैंकों में संचालन के स्तर पर खामियां'

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि दिशानिर्देशों के बावजूद बैंकों में संचालन के स्तर पर खामियां पाई गई हैं। बैंकों के निदेशक मंडल में शामिल निदेशकों को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि इस प्रकार की खामियां कुछ हद तक अस्थिरता पैदा कर सकती हैं।आरबीआई की तरफ से बुलायी गयी बैठक को संबोधित करते हुए दास ने कहा, "यह चिंता का विषय है कि कंपनी संचालन पर दिशानिर्देशों के बावजूद, हमने कुछ बैंकों में इस स्तर पर कुछ कमियां पायीं है। इससे बैंकों में कुछ हद तक अस्थिरता पैदा हो सकती है।"

अधीर ने कांग्रेस विधायक के इस्तीफे पर तृणमूल कांग्रेस पर साधा निशाना

नईदिल्ली। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को सागरदिघी से पार्टी के विधायक बायरन बिस्वास के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने पर सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पूर्व पार्टी सहयोगी के इस आरोप को खारिज कर दिया कि वह "पार्टी के साथ काम करने में असमर्थ" थे। कांग्रेस नेता ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे तथा पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी पर अन्य दलों के विधायकों को प्रलोभन देने का आरोप लगाया।

अमृतसर से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों की बस गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत, कैसे हुआ हादसा?

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में झज्जर कोटली पुल से एक गहरी खाई में बस के गिर जाने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 55 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमृतसर से कटरा जा रही बस गहरी खाई में गिर गई। एसएसपी जम्मू चंदन कोहली ने कहा कि बस में निर्धारित सीमा से अधिक यात्री सवार थे। एसएसपी कोहली ने कहा कि बस माता वैष्णो देवी की ओर जा रही थी और झज्जर कोटली पुल पर लुढ़क गई। गंभीर रूप से घायलों को सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि अन्य घायलों का इलाज स्थानीय पीएचसी में किया जा रहा है।

मंगलवार को झज्जर कोटली के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस के खाई में गिर जाने से 10 लोगों की मौत हो गई और लगभग 55 अन्य घायल हो गए। हादसे के वक्त बस 75 यात्रियों को लेकर अमृतसर से कटरा जा रही थी। जम्मू के एसएसपी चंदन कोहली ने कहा कि बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे और निर्धारित सीमा से अधिक यात्रियों को ले जा रही थी। पुलिस ने कहा कि मरने वाले सभी दस लोग मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। एसएसपी ने कहा 'दस लोगों की मौत हो गई और लगभग 55 घायल हो गए। सभी को निकाल लिया गया है। बचाव अभियान लगभग पूरा हो गया है। एसडीआरएफ की एक टीम भी मौके पर मौजूद है। बस में निर्धारित सीमा से अधिक यात्री सवार थे और जांच के दौरान इसकी जांच की जाएगी।'

पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस में सवार यात्री मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। एक बच्चे के लिए एक 'मुंडन' समारोह था और दुर्घटना के समय परिवार के सभी करीबी और प्रियजन उनके साथ कटरा गए थे। उन्होंने कहा कि मुंडन समारोह के बाद वे माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा करने की योजना बना रहे थे। घायलों को इलाज के लिए जम्मू के एक अस्पताल में रेफर किया गया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि दुर्घटना में हताहतों की संख्या के बारे में सुनकर उन्हें 'बेहद पीड़ा' हुई। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल के कार्यालय से एक ट्वीट में लिखा 'जम्मू के झज्जर कोटली में एक दुखद बस दुर्घटना में जानमाल के नुकसान से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना। जिला प्रशासन को घायलों को हर संभव सहायता और उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया।' यह घटना राजस्थान के झुंझुनू जिले में सोमवार को एक ट्रैक्टर ट्रॉली के खाई में गिर जाने के एक दिन बाद हुई। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना में छह महिलाओं और दो नाबालिगों सहित आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। घटना शाम के समय हुई जब पीड़ित मनसा माता मंदिर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे थे।

सुरक्षा बलों ने भाकपा (माओवादी) द्वारा लगाए गए पांच आईईडी विस्फोटकों का पता लगाया

चाईबासा। झारखंड के सिंहभूम जिले में सुरक्षा बलों ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) द्वारा लगाए गए पांच शक्तिशाली आईईडी विस्फोटकों का पता लगाया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाकपा (माओवादी) के नक्सलियों ने जिले में नक्सल-विरोधी अभियान पर निकले सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाने के मकसद से ये आईईडी लगाए थे। पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि 20 किलोग्राम और 12 किलोग्राम सहित चार

आईईडी को तुंबाहाका गांव के पास जंगल से बरामद किया गया जबकि पांच किलोग्राम का एक आईईडी छोटा कुईरा और माराडिरी गांव के बीच एक वन क्षेत्र में मिला। सभी आईईडी को बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया। जिले के कोल्हन इलाके में मिसिर बेसरा सहित शीर्ष माओवादी नेताओं की मौजूदगी के बारे में जिला पुलिस को सूचना मिलने के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा और झारखंड जगुआर के साथ जिला पुलिस 11 जनवरी से व्यापक तलाश अभियान चला रही है। बेसरा पर एक करोड़ रुपये का इनाम है। पुलिस ने बताया कि इस साल जनवरी से भाकपा (माओवादी) द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में 10 वर्षीय बालक और दो बुजुर्ग महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हुई है तथा सीआरपीएफ कर्मी समेत 20 लोग घायल हुए हैं।

स्वतंत्रवीर सावरकर का नाम वांद्रा-वर्सोवा सी रोड को दिया जाएगा, एकनाथ शिंदे ने किया ऐलान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के कार्यों के सम्मान में मुंबई में बांद्रा-वर्सोवा सी रोड का नाम 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर बांद्रा-वर्सोवा सी ब्रिज' रखने की घोषणा रविवार को की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि केंद्र सरकार के वीरता पुरस्कारों की तर्ज पर अतुलनीय वीरता का प्रदर्शन करनेवालों को 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर शौर्य पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे। स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की 140वीं जयंती के अवसर पर राज्य में 'स्वातंत्र्यवीर गौरव दिवस' मनाया गया है। इस अवसर पर दादर, मुंबई स्थित स्वतंत्रवीर सावरकर सभागार में सावरकर के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुंबई शहर के जीला मंत्री दीपक केसरकर, सांसद राहुल शेवाळे, विधायक सदा सरवनकर, सावरकर स्मारक के कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत सावरकर उपस्थित थे. सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रधान सचिव विकास खड़गे, निदेशक सांस्कृतिक कार्य विभीषण चौरे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा की गई, जिसका निर्माण स्वाधीनता वीर सावरकर स्मारक मुंबई और महाराष्ट्र मिलिट्री स्कूल मुरबाड ने किया।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि पहली बार महाराष्ट्र सदन में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर की जयंती मनाई गई। यह

गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता नायक सावरकर की जयंती के दिन आज नए संसद भवन का उद्घाटन किया। हम उस ऐतिहासिक समारोह और पलों के साक्षी बने। यह गर्व की बात है कि लोकतंत्र के पवित्र मंदिर, नए संसद भवन का निर्माण और उद्घाटन रिकॉर्ड समय में हुआ है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने आगे कहा, 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर की श्रेष्ठता, त्याग, बलिदान और देशभक्ति जगजाहिर है। यह देश, प्रदेश और मिट्टी का सौभाग्य है। सावरकर जैसे क्रांतिकारी यहीं पैदा हुए थे। उनकी प्रखर देशभक्ति के कारण अंग्रेज उनसे डरते थे। सावरकर को समग्र रूप से समझना असंभव और कठिन है, लेकिन अगर आप उन्हें समझने की कोशिश करेंगे तो आपको हिंदुत्व की सुगंध जरूर मिलेगी। वे स्वदेशी के कट्टर समर्थक, एक महान क्रांतिकारी, एक सक्रिय समाज सुधारक के रूप में जाने जाते थे। वे एक प्रतिभावान लेखक, कवि थे और उन्होंने कई भाषाओं में महारत हासिल की और भाषाई गुलामी को तोड़ने के लिए अंग्रेजी भाषा को कई वैकल्पिक शब्द प्रदान करने की जानकारी मुख्यमंत्री श्री. शिंदे ने देते हुए इस महान नेता को शत शत नमन किया।

जीला मंत्री केसरकर ने स्वतंत्रता नायक सावरकर को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने आजादी की लौ जलाई। यह कहते हुए कि 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर ने मराठी भाषा को समृद्ध करने में अमूल्य योगदान दिया है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा के अपने विचारों को प्राथमिकता के तौर पर शामिल किया है।

अंतरराज्यीय गिरोह ने पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने की कोशिश की

नई दिल्ली। राजस्थान के एक अंतरराज्यीय गिरोह ने तेलंगाना के निजामाबाद जिले में एक टोल नाके पर पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने की कोशिश की। लेकिन, पुलिस ने जब गोलियां चलाईं, तो गिरोह के सदस्य वहां से फरार हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, चार सदस्यीय गिरोह के चोरी में शामिल होने की सूचना के आधार पर रविवार को इंदलवई टोल गेट पर एक पुलिस टीम तैनात की गई थी। आधी रात के आस-पास हैदराबाद की ओर जा रहे इस गिरोह ने जब देखा कि पुलिसकर्मी उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्होंने एक वाहन को धक्का देकर भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं, जिसके बाद चारों लोग अपना वाहन छोड़कर वहां से फरार हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह की सूचना मिली थी कि गिरोह, जो क्षेत्र में बिजली के ट्रांसफार्मर से कॉइल चोरी करने में शामिल है, निजामाबाद जिले में कुछ अपराध करने के बाद हैदराबाद जा रहा था।

हरियाणा में सरकारी स्कूल के शिक्षक पर नाबालिग छात्रों को अश्लील वीडियो दिखाने का मामला

गांव वालों ने जूतों की माला पहना कर घुमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में पंचकुला पुलिस ने स्कूल परिसर में अपने मोबाइल फोन पर नाबालिग छात्रों को कथित तौर पर अश्लील वीडियो दिखाने के लिए एक सरकारी स्कूल के शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिला शिक्षा कार्यालय ने भी जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अंबाला के नारायणगढ़ निवासी आरोपी बंट सिंह पंचकूला में रायपुर रानी कस्बे के पास स्थित स्कूल में पंजाबी भाषा पढ़ाता है. छात्रों का आरोप है कि सिंह उन्हें चॉकलेट देने के बाद अपने सेल फोन पर अश्लील वीडियो दिखाता था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोमवार को एक नाबालिग लड़की के माता-पिता सहित कई लोगों ने स्कूल के प्रधानाध्यापक पर मामले को दबाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर सिंह के गले में चप्पलों की माला डाल दी। बाद में वह स्कूल से फरार हो गया और फरार हो गया। इसके बाद परिजन स्थानीय थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि छात्रों ने पिछले शनिवार को प्रधानाध्यापक को

मामले की जानकारी दी, जिसके बाद सिंह की पत्नी और बेटी अगले दिन छात्राओं के घर गईं और उनसे शिकायत वापस लेने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत रायपुर रानी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

सहायक पुलिस आयुक्त किशोरी लाल ने कहा कि शिक्षक फरार है। 'शिकायतकर्ता ने एक स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत अपना बयान दर्ज कराया है। जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि यह मामला पंचकुला जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) सतपाल कौशिक के संज्ञान में भी लाया गया, जिन्होंने मामले की अलग से जांच के आदेश दिए।

बीजेपी बंटवारे में अपना दल को दे सकती है मुस्लिम बाहुल्य सीटें

रामपुर। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने में जुटी बीजेपी उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में लुभाने के लिए अपने गठबंधन के सहयोगी 'अपना दल' पर बड़ा दांव लगाने जा रही है। बीजेपी आलाकमान को समझ में आ गया है कि जब सीधी उंगली से घी नहीं निकले तो उंगली टेढ़ी करने में कोई बुराई नहीं है। इसके लिए वह अपना दल का सहारा लेगी,बीजेपी के थिंक टैंक के दिमाग में मुसलमानों का वोट हासिल करने के लिए अपना दल का सहारा लेने का हाल ही में सपा के दिग्गज फायर ब्रांड नेता आजम खान के गण में सम्पन्न हुए स्वार (रामपुर) विधान सभा उप चुनाव के बाद आया है। हाल ही में हुए रामपुर जिले की स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव में अपना दल(एस) के मुस्लिम प्रत्याशी को मिली जीत से उत्साहित भाजपा गठबंधन लोकसभा चुनाव में यह प्रयोग कई सीटों पर आजमा सकता है। भाजपा आलाकमान की सोच यह है कि मुस्लिम बाहुल्य जिन कुछ सीटों पर उसकी जीत की संभावना नहीं के बराबर हैं वहां की सीट विपक्ष के लिए छोड़ देने की बजाए अपने सहयोगी अपना दल को दे दी जाए जिसके पक्ष में मुसलमानों को वोटिंग करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। यह दांव सही बैठ गया तो अपना दल कुछ सीटें निकालने में सफल हो जाएगी, जो उसके लिए घाटे का सौदा नहीं रहेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुस्लिम बाहुल्य संभल, मुरादाबाद, अमरोहा, नगीना, सहारनपुर और पूर्वी यूपी की गाजीपुर, घोसी, अम्बेडकरनगर,जौनपुर आदि कुछ लोकसभा सीटों पर बीजेपी को सपा-बसपा गठबंधनक के प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा था, यहां मुस्लिम वोटरों की संख्या अच्छी खासी थी।

कहा जा रहा है कि 2024 में खासतौर से उन मुस्लिम बहुल सीटों पर दांव लगाने की तैयारी है, जिन पर 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी या उसके सहयोगी दल जीत नहीं हासिल कर सके थे। इस वक्त भाजपा का प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 64 पर कब्जा है। पार्टी के सहयोगी दल अपना दल (एस) के पास भी दो लोकसभा सीटे हैं। वहीं इस वक्त समाजवादी पार्टी के पास तीन सीटें है। 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पांच सीटों पर चुनाव जीती थी। लेकिन 2022 में हुए उपचुनावों में सपा को आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा बीएसपी 2019 के चुनावों में 10 सीटें जीती थी। लेकिन हाल ही में गाजीपुर के पूर्व सांसद अफजाल अंसारी को चार साल से अधिक की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता को भी खत्म कर दिया गया है। अब बसपा के पास सिर्फ नौ सीटें ही बची हैं।

रामपुर की स्वार विधानसभा सीट मुस्लिम बहुल सीट है। इस सीट पर 65 फीसदी से अधिक मुस्लिम वोटर हैं।कई वर्षो से इस सीट पर सपा नेता आजम खां के परिवार का वर्चस्व रहा है। 2017 और 2022 विधानसभा चुनावों में आजम खां के बेटे अब्दुल्लाह आजम ने यहां से जीत दर्ज की थी। उपचुनावों में भाजपा ने अपने सहयोगी अपना दल (एस) को यह सीट दे दी थी, अपना दल(एस) ने इस सीट से मुस्लिम प्रत्याशी शफीक अंसारी को टिकट दिया,जो जीतने में सफल रहा। इससे पार्टी को लगता है कि लोकसभा चुनावों में भी अगर इस तरह का प्रयोग किया जाए तो मुस्लिम बहुल सीटों पर जीत हासिल की जा सकती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सांसद बालू धानोरकर के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के सांसद बालू धानोरकर के निधन पर मंगलवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपने क्षेत्र और राज्य के विकास के लिए काम किया। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, " चंद्रपुर से लोकसभा सांसद श्री बालूभाऊ धानोरकर के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यन्त दुखद है। वे अपने क्षेत्र और महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रयत्नशील रहे। उनके प्रियजन और समर्थकों के प्रति मेरी गहन शोक-संवेदनाएं।" गौरलतब है कि महाराष्ट्र से कांग्रेस के एकमात्र लोकसभा सदस्य बालू धानोरकर का मंगलवार को सुबह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। चंद्रपुर से लोकसभा सदस्य धानोरकर का 26 मई को नागपुर के एक अस्पताल में गुर्दे में पथरी का इलाज किया गया था, लेकिन कुछ जटिलताओं के कारण रविवार को उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। धानोरकर के पार्थिव शरीर को मंगलवार दोपहर उनके गृहनगर वरोरा ले जाया जाएगा और अंतिम संस्कार बुधवार सुबह किया जाएगा।

राजस्थान में गहलोत और सचिन पायलट में कितनी बनी सहमति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मैराथन बैठक के बाद सोमवार को कहा कि दोनों नेता आगामी विधानसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने पर सहमत हैं तथा उनके बीच के मुद्दों का समाधान आलाकमान करेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके पूर्व डिप्टी सचिन पायलट ने सोमवार को नई दिल्ली में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक में एकजुट होकर राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमति व्यक्त की। लंबे अंतराल के बाद यह पहला मौका था जब गहलोत और पायलट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में आमने-सामने मिले। यह बैठक राजस्थान कांग्रेस में चुनाव से महीनों पहले चल रही अंदरूनी कलह को दूर करने के लिए बुलाई गई थी।

चार घंटे से अधिक समय तक चली महत्वपूर्ण बैठक में अशोक गहलोत, सचिन पायलट, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल और राजस्थान के पार्टी नेता जितेंद्र सिंह ने भाग लिया। केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा, 'हमने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। निश्चित रूप से, हम राजस्थान में चुनाव जीतेंगे। अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पर सहमति जताई है।' यह बैठक पायलट के अल्टीमेटम के ठीक बाद हुई कि अगर इस महीने के अंत तक राज्य सरकार से की गई तीन मांगों

को पूरा नहीं किया गया तो वह राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे।

2018 में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही गहलोत और पायलट सत्ता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 2020 में, पायलट ने गहलोत सरकार के खिलाफ एक असफल विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसके बाद उन्हें पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के पदों से हटा दिया गया। विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति तैयार करने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी चुनावी राज्यों के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं।

बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, "राजस्थान विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अशोक गहलोत जी और सचिन पायलट जी के साथ मंत्रणा की। हमने फैसला किया है कि कांग्रेस एकजुट होकर यह चुनाव लड़ेगी। दोनों (गहलोत और पायलट) सहमत हैं कि कांग्रेस को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरना चाहिए और राजस्थान में हम निश्चित तौर पर चुनाव जीतेंगे।" वेणुगोपाल ने कहा, "राजस्थान कांग्रेस के लिए एक मजबूत स्थिति वाला राज्य होगा। दोनों नेता प्रस्ताव पर सहमत हैं।" यह पूछे जाने पर यह प्रस्ताव क्या है, वेणुगोपाल ने कहा, "दोनों ने आलाकमान पर छोड़ दिया है। चुनाव में साथ में जाने का फैसला किया है और हम मिलकर लड़ेंगे और भाजपा के खिलाफ जीत दर्ज करेंगे।' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने आज शाम अशोक गहलोत और पायलट के साथ बातचीत की। कांग्रेस पार्टी राजस्थान में भी कर्नाटक की सफलता को दोहराने के लिए तैयार है।" इस बैठक को कांग्रेस नेतृत्व की ओर से राजस्थान में गहलोत और पायलट के बीच के विवाद को सुलझाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस साल के आखिर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों का कहना है कि खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में गहलोत और पायलट के बीच सुलह के किसी फार्मूले पर सहमति बनाई गई है। मुलाकात से पहले गहलोत ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान आज भी इतना मजबूत है कि कोई नेता यह कहने की हिम्मत नहीं कर सकता कि वह अपनी पसंद का पद लेगा या फिर पार्टी उसे मनाने के लिए पद की पेशकश करे। मुख्यमंत्री से सचिन पायलट को मनाने के लिए आलाकमान की ओर से कथित तौर पर पद की पेशकश किए जाने संबंधी खबर को लेकर सवाल किया गया था। हाल ही में 'जनसंघर्ष यात्रा' निकालने वाले पायलट ने मई के अंत तक उनकी मांगें नहीं मानने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है।

भीषण गर्मी में लोगों ने ली राहत की सांस, पीया मीठा व ठंडा शरबत

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।गर्मी को देखते हुए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (भारत सरकार उपक्रम) द्वारा सिविल लाइन्स, पत्थर गिरिजा घर के पास निःशुल्क शरबत राहगीरों के लिए बांटा गया। इसकी जानकारी संस्था के कर्मचारियों ने दी। उन्होंने बताया कि इस पहल से राहगीरों को काफी राहत मिल रही है। भीषण गर्मी, चिलचिलाती तीखी धूप से बेहाल राहगीरों को राहत दिलाने के उद्देश्य से लोगों को मीठा व ठंडा शर्बत पिलाया। लोग इसे पीकर भीषण गर्मी में राहत की सांस ली। इसमें हज़ारों की संख्या में राहगीरों ने तपती गर्मी में राहत महसूस की।

जंक्शन पर एक महिला द्वारा रेलकर्मी को चप्पल से पीटने का वीडियो वायरल, मामले की जांच शुरू

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जंक्शन की लोको लॉबी में एक महिला द्वारा रेलकर्मी को चप्पल से पीटने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो शुक्रवार 26 मई की दोपहर का बताया जा रहा है। वीडियो में महिला द्वारा रेलकर्मी पर दो-दो पत्नी रखने और खर्च देने की बात कही जा रही है।

बताया यह भी जा रहा है कि रेलकर्मी को पीटने वाली महिला उसकी पत्नी है। दोनों ही पिछले कई वर्ष से अलग-अलग रह रहे हैं।प्रयागराज जंक्शन की लोको लॉबी में मुख्य कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात रेलकर्मी से हुई मारपीट का वीडियो रेलवे अफसरों को भी मिला।

ऑन ड्यूटी रेलकर्मी को पीटने एवं सरकारी काम में बाधा डालने के मामले को रेलवे अफसरों ने भी गंभीरता से लिया है। घटना के बाद जंक्शन के क्रू नियंत्रक की ओर से जीआरपी और आरपीएफ को कार्रवाई के लिए लिखा गया है। उधर इस मामले की जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है।

जांच में मालूम पड़ा है कि दोनों के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। साथ ही रेलकर्मी द्वारा कोर्ट के निर्देश पर महिला को भरण-पोषण के लिए पैसे भी दिए जा रहे हैं। इसके अलावा मारपीट आदि के दूसरे मुकदमे पहले से चल रहे हैं। उधर उक्त घटना को लेकर महिला के पुत्र ने जीआरपी में शिकायत भी की है। उसने रेलकर्मी को खुद का पिता बताया है और यह भी लिखा है कि उन्होंने उसकी मां को गंदे तरीके से छूआ और अश्लीलता भी की।

हालांकि 30 सेकंड के वायरल वीडियो में ऐसा कुछ भी नहीं दिख रहा है। इस मामले में जीआरपी थाना प्रभारी अनिल शर्मा ने बताया कि अभी मामले की जांच चल रही है । सोमवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है।

महिला और रेलकर्मी का अगर पारिवारिक विवाद है तो वह बाहर निपटाना चाहिए। महिला द्वारा सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का कार्य किया गया है। ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मी पर हमला करना, सरकारी कार्य में बाधा डालना गंभीर विषय है। इस संबंध में आरपीएफ और जीआरपी को कार्रवाई के लिए कहा गया है। - अमित सिंह, पीआरओ, प्रयागराज मंडल एनसीआर।

आम के बगीचे में सिर कूंच कर युवक की हत्या

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। थरवई के सिंगरामऊ गांव में आग के बगीचे की रखवाली कर रहे युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस ने फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्ता की मदद से जांच की। हत्या के पीछे जमीन का विवाद बताया जा रहा है। सिंगरामऊ गांव निवासी संतोष मिश्रा (45) के मां-बाप इस दुनिया में नहीं है। पत्नी भी उसे छोड़ चुकी है। बताया जा रहा है कि हाईवे किनारे उसकी कीमती जमीन है। संतोष समेत तीनों भाइयों का उसमें हिस्सेदारी है। दो दिन पहले ही मुम्बई में काम करने वाले संतोष के दोनों भाई गांव आए थे। बंटवारे की बात चल रही थी। इस बीच सोमवार देर रात आम के बगीचे में सो रहे संतोश मिश्र की सिर कूंच कर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारतीय समेत अन्य पुलिस अफसर पहुंचे। पुलिस प्रॉपर्टी विवाद से लेकर घरेलू एंगल पर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

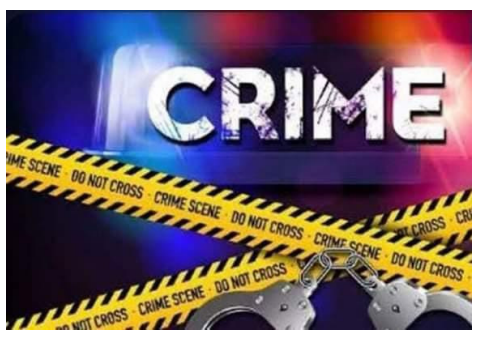

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र नदियों में डुबकी

ज्येष्ठ मास का अंतिम मंगलवार,मंदिरों में भीड़

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। गंगाऽदशहरा का पावन पर्व मंगलवार को श्रद्धा, उल्लास से मनाया जा रहा है। गंगा दशहरा पर इस बार ज्येष्ठ मास का अंतिम मंगलवार होने पर्व की शुभता बढ़ गयी है। भोर से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम समेत गंगा-यमुना के घाटों पर आस्था की डुबकी लगायी।

तीर्थपुरोहितों को अन्न, वस्त्र, घड़ा, छाता, सत्तू, फल आदि दान किया। सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से भंडारा आयोजित किया गया है। चौराहों पर शरबत वितरण कर लोग पुण्य अर्जित कर रहे हैं। इस क्रम में शाम को हरिहर गंगा आरती समिति की ओर से रामघाट पर महाआरती होगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की जाएगी।

इस अवसर पर भक्तों को गंगा की निर्मलता का शपथ दिलायी जाएगी। बुधवार को दस दिवसीय गंगा महोत्सव का समापन होगा।

नेपाल में अंतरराष्ट्रीय खिताब जीत के दो बहनों ने रोशन किया प्रयागराज का नाम

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी की छात्रा प्रिया यादव और अनुप्रिया यादव लड़कियां 17 और लड़कियां 12 मैं नेपाल में अयोजित 5वाँ दोलखा अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में अपनी कैटेगरी में पहला स्थान हासिल कर प्रयागराज का नाम रोशन किया। .टूर्नामेंट का आयोजन चारीकोट दोलखा नेपाल में 19 मई से 23 मई को अयोजित किया गया था.प्रिंसिपल सिस्टर शमिता ने दोनों बहनों को बधाई दी स्कूल के खेल शिक्षक दीपक कुमार मो साबिर सहित सभी शिक्षको ने बधाई दी।

फूलपुर खंसार करनाईपुर में विद्युत आपूर्ति का नया शेड्यूल

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। एसडीओ फूलपुर प्रांजल मिश्रा के अनुसार विद्युत आपूर्ति की नई समय सारणी के अनुसार ग्रुप ए में फूलपुर करनाईपुर प्रतापपुर में दोपहर 3:30 बजे से सुबह 7 बजे तक रात 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक ग्रुप बी सिकंदरा धोसड़ा थानापुर खंसार में शाम 7 बजे से सुबह 4:55 बजे तक एवं दिन में 7:55 से 16 बजे तक आपूर्ति की जाएगी। इसी प्रकार फूलपुर मुख्यालय फूलपुर दोपहर 3:30 बजे से सुबह 9:15 बजे तक एवं 10:45 बजे से 14:30 बजे तक आपूर्ति की जाएगी।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

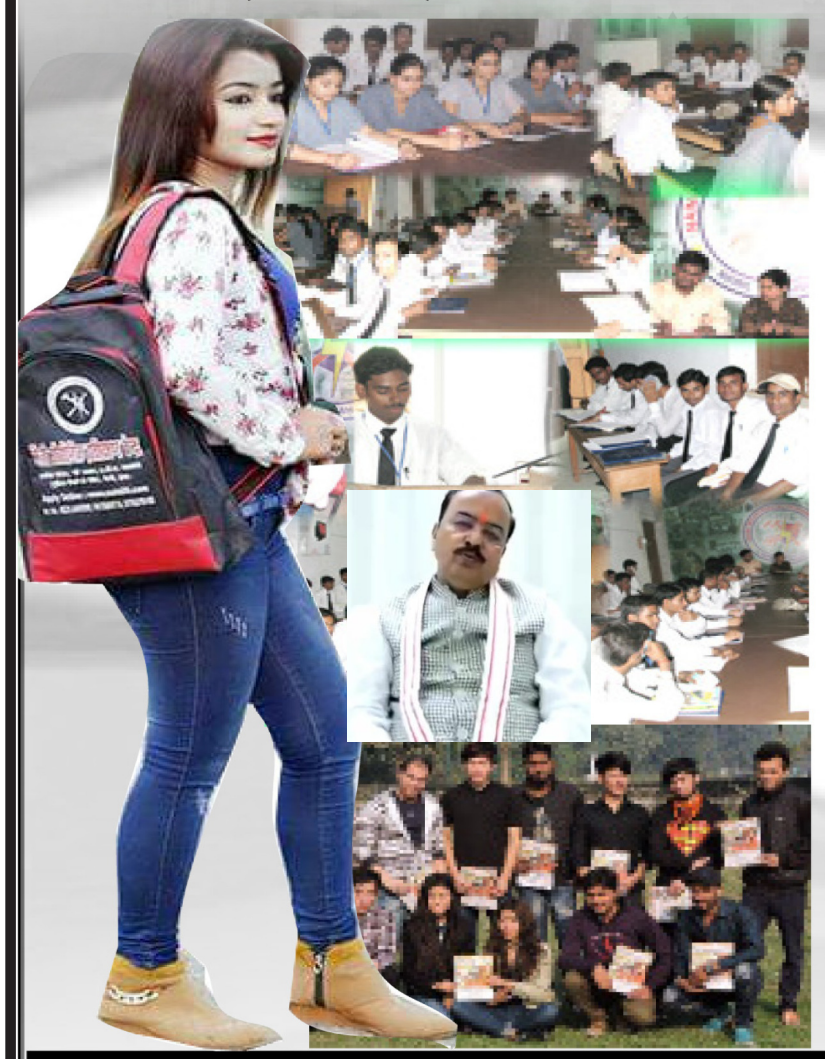

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

चार वर्षो से फरार धोखाधड़ी के आरोपी को थाना सिविल लाइन पुलिस ने किया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर ।चार वर्षो से फरार धोखाधड़ी के आरोपी को थाना सिविल लाइन पुलिस ने किया गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में , नगर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत के नेतृत्व में की गई कार्यवाही -

विवरण - फरियादी संजय अग्रवाल तनय जगदीश प्रसाद अग्रवाल नि0 प्रभात बिहार कालोनी पन्ना रोड सतना जिला सतना लिखित रिपोर्ट पेश किया था कि आरोपीगण दीपक अग्रवाल व दिलीप अग्रवाल ने बताये कि उन्हे एम0पी0आर0टी0सी0 भोपाल सतपुडा भवन से उमरिया रोड उचेहरा एवं सोनवारी टोल प्लाजा के पद कर 2017 से 2021 तक की वसूली के लिये ठेका मिल गया है, किन्तु रुपयो की व्यवस्था नही हो पा रही है। जिस वजह से पार्टनर बनाना चाहते है, कार्यालय कार्य पालनयंत्री एम0पी0आर0टी0सी0 सतपुडा भवन भोपाल म.प्र. के द्वारा जारी पत्र क्र. 1550/टोल टेक्स/एम0पी0आर0टी0सी0/2016 भोपाल दिनांक 26/12/2016 पत्र क्र0 1967/1 टोल टेक्स/एम0पी0आर0टी0सी0/2017 भोपाल दिनांक 21/05/17 दिखाये जिसपर विश्वास करके दोनो आरोपीगणो के खातो मे 2,59,75000/ रुपये दो करोड उनसठ लाख पचहत्तर हजार रुपये जरिए आर0टी0जी0एस0 ट्रांसफर किया था, कार्य के संचालन हेतु अनुबंध पत्र कब निष्पादित कराया जाना जिसके लिये आरोपी टाल मटोल करने लगे, शंका होने पर भोपाल मे पता किया तब उसे पता चला कि फर्जी शासकीय पत्र बनाकर अपने आप को ठेका मिलने की बात बताकर दिखाया है, रिपोर्ट पर आरोपीगण के विरूद्ध अप0क्र0-320/2018 धारा 420,467,468,471,34 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया है, अपराध कायमी के उपरांत से ही आरोपीगण दीपक अग्रवाल व दिलीप अग्रवाल फरार थे , आरोपी दिपक अग्रवाल को आज दिनांक 29/05/2023 को मैहर मे होने की सूचना पर मैहर से गिरफ्तार किया गया जिसे न्यायाल पेश किया गया, जहां से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी उपरोक्त को केन्द्रिय जेल सतना भेजा गया ।

गिरफ्तार आरोपी - दीपक अग्रवाल पिता स्व0 श्री जगदीश अग्रवाल निवासी कटरा बाजार, मैहर थाना मैहर जिला सतना (म.प्र.) फरार आरोपी- दिलीप अग्रवाल पिता स्व0 श्री जगदीश अग्रवाल निवासी कटरा बाजार, मैहर थाना मैहर जिला सतना (म.प्र.)

सराहनीय कार्य - थाना प्रभारी सिविल लाइन रूपेन्द्र राजपूत , उप निरीक्षक सुभाष चन्द्र वर्मा, उप निरीक्षक बी.एल. रावत, उप निरी. अजीत सिंह, सउनि दीपेश पटेल, प्र0आर0 533 प्रवीण तिवारी, प्र0आर0 743 विवेक द्विवेदी, आर0 संदीप परिहार।

इष्ट फाउंडेशन ने चलाया 'एक सकोरा बेजुबानों के नाम' अभियान

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा। गर्मी का तापमान दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है ऐसे में इस भीषण गर्मी की मार मनुष्यों के साथ- साथ बेजुबानों को इत्याधिक झेलनी पड़ रही है इनके इस दर्द को समझते हुए आज दिनाँकः 30/05/2023 को युवाओं द्वारा स्थापित समूह इष्ट फाउंडेशन ने नोएडा स्थित विभिन्न स्थानों पर 'एक सकोरा बेजुबानों के नाम' नामक अभियान की शुरुआत की। जिसका नेतृत्व कर रही रोशनी कुमारी ने बताया कि संस्था द्वारा चलाई इस मुहिम का उद्देश्य गर्मी के बढ़ते तापमान के कारण तड़पते बेजुबानों को लगी भूख प्यास से राहत पहुँचाना है। जिसके लिए संस्था के सदस्यों के साथ साथ पाठशाला के बच्चे भी निरंतर इस मुहिम में अपनी

सहभागीता निभा रहे हैं व साथ ही उनको पानी से रोज भरने की जिम्मेदारी भी उन लोगों को सौंपी गयी जिनके द्वारा चिन्हित स्थानों पर मिट्टी से बने सकोरों को रखा गया। ग्रेटर नोएडा के प्रमुख सूरज झा ने आसपास के नागरिकों से अपने आसपास बर्तनों में एक कुंडा पानी और एक मुट्ठी दाना रखने का आह्वान किया। जिससे पक्षियों को राहत पहुंचाने के साथ- साथ अभियान की सफलता को भी लक्षित किया जा सके। गौरतलब है कि संस्था न केवल दिन में इस अभियान को चला रही है बल्कि रातों को भी घर से निकलकर टीम के साथी गलियों और चौबारों पर घूम रहे कुत्तों एवं गायों के लिए भी खाने की व्यवस्था निरंतर कर रहे हैं। इस अभियान में शैलेंद्र, प्रेरणा, गुंजन, सुभाष, सोनू विक्रम, लक्ष्मी आदि सदस्य मौजूद हैं।

दर्शनर्थियों को गुमराह व परेशान करने वाले दलालो पर देवी जी चौकी पुलिस की कार्यवाही

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। मां शारदा मंदिर धाम में दर्शनार्थियों को गुमराह व परेशान करने वाले दलालों पर देवी जी चौकी पुलिस की बड़ी कार्यवाही आशुतोष गुप्ता पुलिस अधीक्षक सतना के निर्देशन में एसडीओपी लोकेश डावर मैहर एवं अनिमेष द्वेवदी थाना प्रभारी मैहर के मार्गदर्शन में एवं चौकी प्रभारी देवी संतोष सिंह उलाड़ी के नेतृत्व मे देवी जी चौकी पुलिस की कार्यवाही घटना का विवरण -दिनांक 29/05/2023 को क़स्बा भ्रमण के दौरान सुचना मिली कुछ व्यक्ति मंदिर आने जाने वाले दर्शनर्थियों को परेशान कर रहे है जिस पर चौकी प्रभारी महोदय ने टीम बनाकर रवाना किया और सुचना की तस्दीक कराई सुचना सही होने पर दो अलग अलग जगह से 5 व्यक्तियों को जो अशांति फैला रहे थे समझाने की कोशिस की गयी पर उनलोग नहीं मान रहे थे उनलोगो के नहीं मानने एवं मरने मारने पर आक्रोषित हो रहे थे जिस पर से शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए धारा 151 जा. फौ. के तहत गिरफ्तार कर 151,107,116(3) जा. फौ. का इस्तगसा तैयार कर एस. डी. एम. कार्यालय मैहर पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी 1) अनिल कुशवाहा उर्फ़ छोटू पिता लक्ष्मण कुशवाहा उम्र 23 वर्ष निवासी इंचोल थाना ऊँचेहरा जिला सतना (म.प्र.)। 2) हरकेश साकेत पिता सूरजदीन साकेत उम्र 35 वर्ष निवासी अंधरा टोला थाना मैहर जिला सतना (म. प्र.) 3) मो. अतीक पिता मरहूम मो. नत्थू उम्र 42 वर्ष नि. पुरानी बस्ती दक्षिण दरवाजा के पास थाना मैहर जिला सतना (म. प्र.) 4) योगेंद्र सोनी पिता रामसेवक सोनी उम्र 20 वर्ष नि. वार्ड न. 12 चौरसिया मोहल्ला पुरानी बस्ती थाना मैहर जिला सतना (म. प्र.) 5) सोनू उर्फ़ बण्टा पटेल पिता संतोष पटेल उम्र 18 वर्ष नि. नरोरा थाना मैहर जिला सतना (म. प्र.) सराहनीय भूमिका - उप निरी. संतोष सिंह उलाड़ी चौकी प्रभारी देवी जी ,सउनि राकेश मिश्रा ,प्र. आर. प्रमोद गुप्ता, प्र. आर. पुष्पेंद्र शुक्ला,आरक्षक सौरभ लखेरा,धनेन्द्र पटले, प्रदीप मिश्रा, मोहन दांगी , सै.केदार प्रसाद, सै. अरविन्द वर्मा ।

'हमें भोजन चाहिए तम्बाकू नहीं' तम्बाकू पदार्थों का सेवन सभी के लिए हानिकारक : डा.श्वेता खुराना

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा 'हमें भोजन चाहिए, तम्बाकू नहीं' इस बार इसी थीम पर मनाया जाएगा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस। लोगों को तम्बाकू सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति आगाह और जागरूक करने के लिए हर वर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू दिवस मनाया जाता है।

जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डा. श्वेता खुराना का कहना है- तम्बाकू की लत विश्व की सबसे बड़ी घातक महामारी है। तम्बाकू के सभी पदार्थ एवं उनका सेवन बहुत खतरनाक होता है। इसका किसी भी प्रकार से सेवन कई बीमारियों को पैदा करता है। उन्होंने कहा- तम्बाकू हर सूरत में नुकसानदायक है। यह सेवन करने वालों के स्वास्थ्य पर तो विपरीत प्रभाव डालती है बल्कि इसका उत्पादन करने वाले भी एक विशेष बीमारी 'ग्रीन टोबैको सिकनेस' का शिकार हो जाते हैं। विश्व भर में मृत्यु के कारणों में से तम्बाकू से होने वाले उप रोग प्रमुख कारण हैं।

ग्रीन टोबैको सिकनेस क्या है?तम्बाकू के पत्तों को तोड़ने वाले जब निकोटीन के संपर्क में आते है तो उनके हाथों में निकोटीन से निकलने वाले जहरीले पदार्थ लग जाते हैं। इससे उन्हें कई तरह की बीमारियां हो जाती हैं, इसे ग्रीन टोबैको सिकनेस (जीटीएस) कहा जाता है। इसके प्रारंभिक लक्षण चक्कर आना, उल्टी होना, उच्च रक्तचाप आदि हैं। यह बीमारी पत्ते छूने मात्र से हो जाती है।

जिस जगह तम्बाकू की खेती होती है वह जमीन हो जाती है बंजर डा. खुराना ने बताया- तम्बाकू की खेती धीरे-धीरे खाद्यान्न दाल दलहन की खेती के लिए भी खतरा पैदा कर रही है। जिस जमीन पर तम्बाकू की खेती की जाती है वह बंजर हो जाती है, क्योंकि तम्बाकू की एक फसल लेने के बाद उस जमीन पर उगी फसल को जला दिया जाता है, इससे जमीन की उर्वरक शक्ति खत्म हो जाती है और लम्बे समय तक वहां कोई और फसल नहीं होती, यहां तक कि तम्बाकू भी।

भोजन, पानी हवा और पानी हो रहा दूषित डा. खुराना ने बताया- सिगरेट के फिल्टर में हीट रेजिस्टेंट प्लास्टिक होती है,यह प्लास्टिक जलती नहीं है। जहां भी इसे फेंका जाता है प्रदूषण ही फैलाती है। जिस पानी में डाला जाता वह पानी दूषित हो जाता है। इस पानी को बायोडिग्रेड करने में कई साल लग जाते हैं। धीरे-धीरे यह भूजल को भी दूषित कर देता है। पानी में रहने वाली मछलियों व जल जंतुओं के लिए भी हानिकारक है। सिगरेट का धुंआ हवा को दूषित कर देता है। जितना नुकसान सिगरेट पीने वाले को होता

है उतना ही नुकसान पास खड़े व्यक्ति को होता है। निकोटिन केवल दस से 20 सेकेंड में दिमाग पर असर डालता है। उन्होंने बताया- तम्बाकू में सात हजार केमिकल होते हैं, इनमें 69 कैंसर के कारक हैं।

गर्भवती के लिए हानिकारक डा. श्वेता का कहना है -जो महिलाएं बीड़ी सिगरेट या तम्बाकू का सेवन करती हैं उनके लिए तो यह नुकसानदायक है ही, उनके होने वाले बच्चे के लिए भी घातक है। गर्भवती का पति भी यदि इसका आदी है तो भी गर्भस्थ शिशु के लिए खतरनाक है। इन दोनों ही अवस्था में शिशु को मां की कोख से मिलने वाला पोषण दूषित हो जाता है। इससे गर्भस्थ शिशु का विकास प्रभावित होता है, कई बार यह बच्चे की विकलांगता का कारण भी बन जाता है।

तम्बाकू छोड़ने के लिए कुछ सुझाव- डा. श्वेता खुराना का कहना है कि ऐसा नहीं कि तम्बाकू की लत छूटती नहीं है। प्रबल इच्छाशक्ति और कुछ उपाय अपनाकर इसे छोड़ा जा सकता है। तम्बाकू छोड़ने के लिए तम्बाकू युक्त सभी वस्तुएं अपने पास से हटा दें। अपने पास सौंफ, मिश्री लौंग इलायची ?खें। सप्ताह में तम्बाकू रहित एक दिन की शुरुआत करें और धीरे-धीरे इसे छोड़ते रहें। ऐसे लोगों से दोस्ती रखें जो लत छुड़ाने में आपकी मदद करें। उन जगहों और लोगों से दूर रहें जो तम्बाकू की तलब की याद दिलाएं। अपना इरादा पक्का रखें तम्बाकू के उपयोग में देर करें, तलब लगने पर लम्बी सांसें लें, धीरे-धीरे पानी पिएं, अपना ध्यान किसी दूसरी ओर लगाएं। जनपद में होंगे विभिन्न कार्यक्रम विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। डा. श्वेता ने बताया- बुधवार को जिला अस्पताल में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। नाटक के माध्यम से लोगों तम्बाकू का सेवन छोड़ने के लिए जागरूक किया जाएगा साथ ही इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाएगा। स्वास्थ्य केन्द्रों पर शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य टीम के काउंसलर और साइकोलॉजिस्ट तम्बाकू का सेवन करने वालों की काउंसलिंग करेंगे। इसके अलावा स्कूल कालेजों में विचार गोष्ठी, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के नामांकन के लिए चलेगा विशेष अभियान

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में दिव्यांग बच्चों के पठन-पाठन, आर्थिक पुनर्वास एवं सेवायोजन संबन्धी समस्याओं के समाधान के लिए विकास भवन स्थित गांधी सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने दिव्यांग बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान समय में जनपद के 1368 परिषदीय विद्यालयों में 4592 दिव्यांग बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन बच्चों में 1162 श्रवण बाधित, 791 अस्थिबाधित, 458 दृष्टि बाधित तथा 2179 मानसिक रूप से दिव्यांग हैं।सर्वाधिक 371 बच्चे बरहज ब्लॉक में चिन्हित किये गए हैं। इनमें से 213 मानसिक रूप से दिव्यांग हैं। इसके पश्चात 353 बच्चे देवरिया सदर में तथा 351 बच्चे गौरी बाजार ब्लॉक में चिन्हित किये गए हैं। इन्हें शिक्षा देने के लिए 54 स्पेशल एजुकेटर तैनात हैं, जो रोस्टरवार विद्यालयों में जाकर शिक्षा दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त 239 बच्चे होम्बेस्ड एजुकेशन सिस्टम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अंतर्गत दिव्यांग बच्चे का निकटवर्ती विद्यालय में नामांकन किया जाता है तथा उनके घर जाकर स्पेशल एजुकेटर द्वारा पढ़ाया जाता है। डीएम ने कहा कि ऐसे कई बच्चे होंगे जिनका परिषदीय विद्यालयों अथवा निजी विद्यालयों में अभी भी नामांकन नहीं हुआ होगा। ऐसे बच्चों को चिन्हित करके उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इस अभियान में रेडक्रॉस सोसायटी तथा नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवकों का भी सहयोग लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को विद्यालय लाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। स्कॉर्ट अलाउंस योजना के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को स्कूल आने जाने के खर्च के रूप में 600 रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है।

गायत्री शक्तिपीठ अमेठी पर मनाई गई गायत्री जयंती

अमेठी। मंगलवार की सुबह गायत्री शक्ति पीठ अमेठी पर गायत्री जयंती गंगा दशहरा पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ कई पालियों में परिव्राजक आचार्य इन्द्र देव व जगन्नाथ की टोली द्वारा सम्पन्न कराया गया। इसके साथ ही इस पावन अवसर पर गुरु दीक्षा, अन्नप्रासन आदि संस्कार सम्पन्न हुआ। गायत्री जयंती से पूर्व रविवार और सोमवार को साधना का क्रम चला। दो दिनों में गायत्री साधकों द्वारा सबके कल्याण, सबको सद्बुद्धि की कामना के साथ सवा लाख गायत्री महामंत्र का जप सम्पन्न हुआ। उपस्थित परिजनों ने गायत्री मंत्र की नियमित साधना के साथ-साथ युग निर्माण योजना के रचनात्मक कार्यों को आगे बढाने का संकल्प लिया। परिजनों को सम्बोधित करते हुए गायत्री शक्ति पीठ के व्यवस्थापक डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने कहा कि गायत्री ज्ञान-विज्ञान की देवी हैं, गायत्री को वेदमाता, ज्ञान गंगोत्री,संस्कृति की जननी एवं आत्मबल की अधिष्ठात्री कहा जाता है , इसे गुरु मंत्र कहते हैं। गायत्री देवत्व, सत्प्रवृत्ति और सदाचार की जननी है। आज गंगा और गायत्री के जन्म दिन का पुनीत पर्व हम सबके कर्म में गंगा जैसी सरसता और चिन्तन में गायत्री ज़ैसी ज्योति उत्पन्न करें ऐसी कृपा गुरुदेव प्रदान करें। उन्होंने गायत्री शक्ति पीठ के माध्यम से चलाए जा रहे गृहे गृहे गायत्री यज्ञ की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुदेव ने उनके विचारों को, माँ गायत्री को घर-घर पहुंचाने का विराट संकल्प लिया और आज पूरी दुनिया गायत्री की महिमा को समझ रही है। गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि अमेठी के घर-घर में माँ गायत्री की स्थापना का दायित्व हम सभी का है, हमने गुरुदीक्षा के वक्त समयदान का संकल्प लिया था। हमें गांव-गांव घर-घर पहुँचना होगा तभी सच्चे अर्थों में हम गुरुदेव के सैनिक कहलाने के अधिकारी होंगे।

कैलाश तिवारी ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गायत्री परिवार से जुड़ना जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा। कार्यक्रम के अंत मे जिला युवा समन्वयक डॉ0 प्रवीण सिंह दीपक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। आज के कार्यक्रम में डॉ0 चंद्रावती सिंह, मगन लाल कौशल, राणा प्रताप सिंह, डॉ0 विजयलक्ष्मी सिंह, गिरजा शंकर, राम बहादुर पांडेय, त्रिवेणी प्रसाद सिंह, गायत्री सिंह, अशोक कुमार मिश्र, अवधेश बहादुर सिंह महेश बरनवाल, रूबी सिंह, कोमल मिश्रा, दयानंद सिंह, चिरौंजी लाल, दिलीप सिंह, प्रदीप त्रिपाठी, घनश्याम वर्मा, सत्य नारायण सिंह, लाल अशोक सिंह, अमन शुक्ल, शशिलता सिंह, शिव प्रसाद तिवारी, निशा सिंह, भारती सिंह, रमेश कुमार सिंह, अखिलेश पांडेय, अरविंद सिंह, सतीश कुमार, कृष्णा देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कल लेनी है शपथ, घर छोड़कर भागा ब्लॉक प्रमुख मुजफ्फर

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।जिला पंचायत चुनाव में कौड़िहार ब्लॉक से चुनाव जीतकर ब्लॉक प्रमुख बने मो. मुजफ्फर को तीन जून को शपथ दिलाई जाएगी। विभिन्न धाराओं में जेल में बंद मो. मुजफ्फर को 2021 में मतगणना के बाद शपथ नहीं दिलाई जा सकी थी। बीते 13 अप्रैल को जमानत पर रिहा होने के बाद जिला प्रशासन ने पहले 31 मई को शपथ ग्रहण की तारीख तय की थी, लेकिन इस पर अंतिम सहमति न बन पाने के कारण जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने तीन जून को शपथ ग्रहण का समय दिया है। इस दिन ब्लॉक मुख्यालय पर सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण होगा। जेल जमानत पर रिहा होने के बाद मो. मुजफ्फर पर दो दिन पहले पूरामुफ्ती थाने में एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला दर्ज हुआ है। जिसके बाद से वो फरार है।

मैलहन बैंक में मैनेजर पंखा की हवा में, ग्राहक पसीने बहाते हैं

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर के मैलहन बाजार में स्थित बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की बहुत पुरानी शाखा चल रही है। जिसमें 2 दर्जन से अधिक गांवों के ग्राहकों को सेवा दी जाती है। परंतु ग्राहक सुविधा के नाम पर न तो पंखा है ना ही पेयजल सुविधा। बैंक शाखा में ग्राहकों के बैठने हेतु पंखे बीते मार्च से बंद पड़े हैं। जबकि शाखा प्रबंधक अपना पंखा बनवा कर चला रहे हैं। ग्राहक पसीना बहाकर लाइन में लगता है जो ग्राहक सेवा के विपरीत है। ग्रामीणों ने मांग की है। कि यदि जल्द ही पंखा दुरुस्त ना कराएंगे तो शाखा पर प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए तहसील दिवस में शिकायत की जाएगी।

तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुँचे थे भगवान महावीर

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाते हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीने के लिये संकल्पित हों। भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- अहिंसा। सबसे पहले अहिंसा परमो धर्मः का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ महाभारत के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी स ा`

और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत् इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

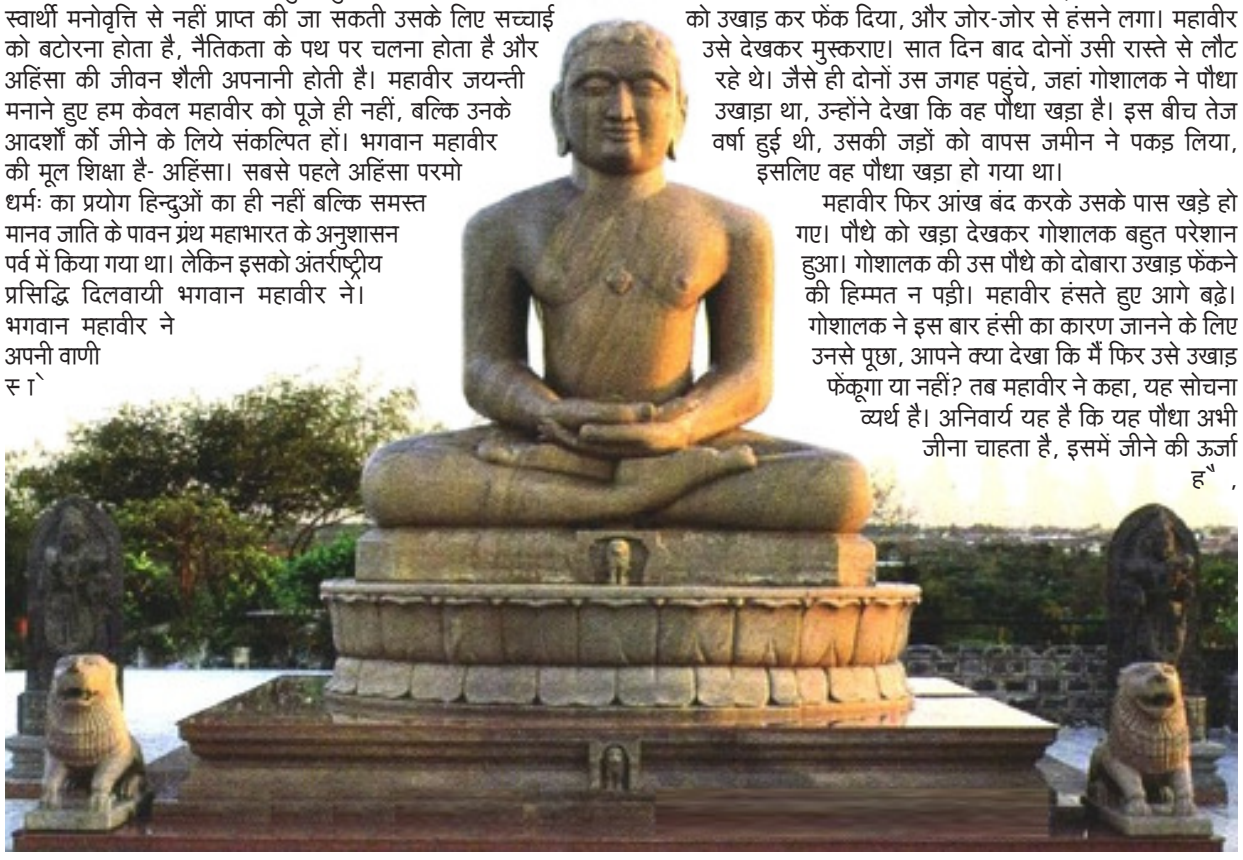

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे।

गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना।

महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

भगवान महावीर का संदेश- अहिंसा ही परम धर्म, अहिंसा ही परम ब्रह्म

भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है। तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे।महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों नें जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में र्बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- 'अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।''जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया।

8 घंटे सोकर घटा सकते हैं बाहर निकला पेट

क्या आप भी फ्लैट टमी पाने का सपना देखती हैं? पेट पर जमा चर्बी को बिना ज्यादा मेहनत किए घटाने के बारे में सोच रही हैं तो यह खबर आपके लिए है। इन आसान टिप्स को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें और बेली फैट यानी पेट की चर्बी से जल्द से जल्द छुटकारा पाएं...

डायट में फाइबर को शामिल करें : जब बात खाने को पचाने की आती है तो उसमें सबसे अहम पोषक तत्व है फाइबर। सॉल्यूबल यानी घुलनशील फाइबर का सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है क्योंकि सॉल्यूबल फाइबर आंत की चर्बी को घटाकर डाइजेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही फाइबर का सेवन पेट की चर्बी को कम करने में भी असरदार है। फल या ओटस जैसे अनाज फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत हैं जिन्हें अपनी डायट में शामिल कर आप बाहर निकले पेट से छुटकारा पा सकती हैं।

योग से करें दोस्ती : इसमें कोई शक नहीं की योग आपके शरीर के लिए सबसे बेस्ट है। योग में मौजूद अलग-अलग तरह के आसन और श्वास संबंधी व्यायाम आंतरिक अंगों को फिर से तरोताजा कर शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। योग आपको अंदर से स्वस्थ बनाता है। साथ ही स्ट्रेस हॉर्मोन कॉर्टिसोल को भी कम करता है जो पेट की चर्बी से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अगर आप भी फ्लैट टमी पाना चाहती हैं तो हर दिन 10-30 मिनट योग को अपने रूटीन में जरूर शामिल करें।

चैन की नींद लें : कम से कम 8 घंटे की नींद हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन हम से कितने लोग इसका सही तरीके से पालन करते हैं? लैपटॉप पर देर रात तक फिल्म देखने, चैटिंग करने या गेम खेलने की वजह से ज्यादातर लोग देर से सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं। कम सोने की वजह से हमारे शरीर में फैट का लेवल उत्प्रेरित हो जाता है। इससे बचने के लिए हर रात कम से कम 8 घंटे की चैन की नींद लें। आप देखेंगे कि आप सुबह फ्रेश फील करेंगे जिसका आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बेहतर असर पड़ेगा। **एक कप ग्रीन टी पिएं :** आपने भी ग्रीन टी पीकर बेली फैट घटाने के विज्ञापन कई बार देखें होंगे। क्या आपको लगता है कि उनके ये दावे निरर्थक हैं? जी नहीं... ग्रीन टी में कैटचिन नाम का ऐंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है जिसका सेवन करने पर पेट की चर्बी घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। **लाइफस्टाइल को ऐक्टिव रखें :** अगर आप पेट की चर्बी घटाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आपको हर वक्त ऐक्टिव रहना चाहिए। ऐसे में लिफ्ट या एस्क्लेटर की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। स्विमिंग और बाइकिंग जैसी ऐक्टिविटीज़ में शामिल होने के साथ ही हर सुबह 30 मिनट के लिए जॉगिंग करें। इन ऐक्टिविटीज़ की मदद से आप शरीर के ऐक्सट्रा कैलरी को घटाकर बेली फैट को कम कर सकती हैं।

असफलताओं से सबक लीजिए

हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए।

जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गलती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे, तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए। ये जीवन के हर क्षेत्र में कारगर सिद्ध होंगे। किस्मत को छोड़िए, तय कीजिए आपको क्या चाहिए - हमने अकसर लोगों को कहते सुना होगा कि जो किस्मत में होगा मिल कर ही रहेगा और ऐसा सोच कर अकसर लोग किसी चमत्कार के इंतजार में सारी जिंदगी निकाल देते हैं। चमत्कार अकसर नहीं होते और चमत्कार भी उन्हीं के जीवन में घटते हैं, जो अपने जीवन में क्या पाना है यह तय कर लेते है उन्हें क्या पाना है। तो सबसे पहले आपको अपने जीवन में क्या चाहिए यह तय करना चाहिए और उसे पाने के लिए पूरी लगन से कोशिश करते रहना चाहिए, जब तक आपको वह मिल न जाए और याद रखिए सब को सब कुछ नहीं मिल सकता अपने लिए आपको क्या चाहिए यह आपको पता होना जरूरी है। **लक्ष्य पर समर्पित रहिए :** जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गल्ती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। इससे आपकी ऊर्जा भी लक्ष्य की दिशा में प्रवाहित होने लगेगी। मान लीजिए आपको नदी के उस पार जाना है बीच में तूफान आ जाता है, तो अगर आपकी नजर लक्ष्य से भटक जाती है, तो आप भी भटक सकते हैं, पर अगर आपकी नजर लक्ष्य पर केंद्रित है तो पानी का तेज बहाव भी आपको रोक नहीं पाएगा। कारण आपकी एकाग्रता है, क्योंकि आपका ध्यान तूफान पर नहीं लक्ष्य पर था।**संभावनाओं को न नकारें :** जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।

दसवीं के बाद उपयुक्त विषय का चयन जरूरी

अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बच्चों की बातों, इच्छाओं, व्यक्तित्व के रुझान, दिलचस्पियों और लक्ष्य को अत्यन्त धैर्यपूर्वक समझने का प्रयास करें। अपने पक्ष को उनके समक्ष तर्कपूर्ण ढंग से रखें और भरसक प्रयास करें कि फैसला

उनकी सहमति से हो। अंतिम बात यह कि जिस विषय में भी बच्चा बेहतरीन प्रदर्शन करेगा, उसी क्षेत्र में वह आकर्षक कॅरियर बना सकता है। दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम आ चुके हैं। गत वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी सीबीएसई बोर्ड्स में 16 लाख से अधिक छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसके अलावा अन्य राज्यों के बोर्ड के माध्यम से भी लाखों की संख्या में युवाओं ने दसवीं की परीक्षा दी। नतीजों के आधार पर एक बार फिर ग्यारहवीं में दाखिले की आपाधापी शुरू हो जाएगी। साइंस, कॉमर्स अथवा आटर्स में से किस स्ट्रीम में दाखिला लेना उपयुक्त होगा, यह सवाल काफी महत्वूपर्ण ही नहीं, अत्यन्त उलझन भरा भी होता है। छात्रों से लेकर उनके अभिभावक तक इस बात को लेकर खासे तनाव में रहते हैं। इस सच्चाई से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है कि यह एक तरह से कैरियर का चौराहा है जहां से कई रास्ते जाते हैं। इस समय सही मार्ग का चुनाव करने में चूक होने का मतलब है जीवन की दशा और दिशा में हमेशा के लिए परेशानियों और तनाव की शुरूआत। इसलिए अत्यन्त सोच-विचार कर और ईमानदारी से अपनी क्षमताओं तथा कमजोरियों को स्वीकारते हुए फैसला करना चाहिए। यहां पर दिखावा या झूठी शान दिखाने के चक्कर में असलियत को छिपाना भारी पड़ सकता है। **एप्टीट्यूड :** स्ट्रीम से संबंधित अंतिम निर्णय लेने में पहले यह जानना और समझना अत्यन्त जरूरी है कि छात्र-छात्राओं की रुचि या दिलचस्पी किन विषयों में है। अगर मैथ्स में मन नहीं लगता है तो कोई कारण नहीं है कि जबरदस्ती उसे मैथ्स सहित साइंस स्ट्रीम दिलवाई जाए। अगर उसे साइंस लेनी ही है तो उसके लिए बायोलॉजी सहित साइंस का ऑप्शन हो सकता है। कमोबेश यही स्थिति कला विषयों को पसंद नहीं करने वाले युवाओं पर भी लागू होती है जिन पर अभिभावक अपना निर्णय थोपने का प्रयास करते हैं। अगर छात्र चाहते हैं तो उन्हें कॉमर्स लेने दीजिए। **परीक्षा परिणाम :** अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। **टीचर्स की राय :** स्कूल में जिन टीचर्स ने पढ़ाया है, उनसे इस बार में सलाह-मशविरा करना गलत नहीं होगा। टीचर्स का अधिकांश छात्रों की क्षमताओं की भली प्रकार से जानकारी होती है। वे बड़ी बेबाकी से छात्रों की कमजोरियों और उनके सकारात्मक पहलुओं से न सिर्फ अवगत करवा सकते हैं बल्कि स्ट्रीम के चयन में भी महत्वपूर्ण सलाह दे सकते हैं। **कॅरियर लक्ष्य :** अगर मैथ्स और फिजिक्स जैसे सब्जेक्टस में गत तीन-चार वर्षों सें बहुत अच्छे अंक आ रहे हैं तो इंजीनियरिंग के लक्ष्य को लेकर साइंस स्ट्रीम का चयन इस स्तर पर किया जा सकता है। यदि इन विषयों में औसत दर्जे के अंक ही अब तक रहे हैं तो अपेक्षाकृत आसान विषयों का चयन करना सही निर्णय होगा। **सामाजिक दबाव से बचें :** महज दोस्तो की देखादेखी या सामाजिक दबाव मे आकर किसी भी स्ट्रीम का चयन करना ठीक नहीं होगा। हमेशा सच्चाई से अपनी काबिलियत को स्वीकारें। निर्णय करते समय स्वयं से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना शायद सही रणनीति नहीं होगी। याद रखें कि बाद में इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। **जॉब मार्केट की कसौटी ही पर्याप्त नहीं :** यह सही है कि आजकल की शिक्षा का लक्ष्य अच्छी जॉब पाने तक सीमित हो गया है, पर महज इसी आधार पर ग्यारहवीं की स्ट्रीम का चयन करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं होगा। हो सकता है कि वर्तमान समय में किसी विशेष कोर्स या सब्जेक्ट की जॉब मार्केट में मांग हो, पर जब आप 5-7 वर्षों के बाद जॉब मार्केट में पहुंचेंगे तो पूरी सम्भावना है कि स्थितियां बदल चुकी हों। **इंटरनेट से समस्त जानकारियां लें :** ट्रेडिशनल कोर्सेस और सब्जेक्टस के अलावा और क्या नई विधाएं इस दौरान विकसित हो चुकी हैं, इस बारे में स्वयं को अपडेट करने का सबसे प्रभावी तरीका इंटरनेट है। इससे जानकारियां लेकर संबंधित क्षेत्र के प्रोफेशनल्स से वास्तविकता का पता लगाया जा सकता है। **कॅरियर काउंसलर की सलाह :** किसी प्रोफेशनल कॅरियर काउंसलर से भी इस बारे में विचार विमर्श किया जा सकता है। वे अपने अनुभव और तरीके से छात्र के एटीट्यूड और सोच को अभिभावकों की तुलना में कहीं बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यही नहीं उनके माध्यम से नए कोर्सेस और भावी स्ट्रीम्स के बारे में व्यापक जानकारी भी मिल सकती है। **गुरुमंत्र :** अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

फाइनल जीतने के बाद धोनी ने जडेजा को गोद में उठाया, फैंस हुए क्रेजी और इमोशनल

नई दिल्ली। पहले बारिश, फिर रिजर्व डे, दूसरे दिन फिर बारिश और अंत में डक वर्थ लुइस सिस्टम, इन सब उतर चढ़ाव के बीच दो दिन का जोरदार रोमांच अंत में 29 मई को उस समय खत्म हुआ जब रविन्द्र जडेजा ने अंतिम गेंद पर चौका मार कर चेन्नई को खिताबी जीत दिलाई। जैसे ही अंतिम गेंद पर चौका पड़ा वैसे ही वैसे ईई डग आउट में बैठे खिलाड़ी मैदान की ओर दौड़ पड़े। रविन्द्र जडेजा इस मैच के हीरो रहे जिन्होंने प्रेशर में खेलने का भी दमदार प्रदर्शन किया।

इस मुकाबले में जीतने के बाद जैसे ही जडेजा दौड़ कर एमएस धोनी के पास पहुंचे एमएस धोनी ने खुशी से जडेजा को गोदी में उठा लिया। ये इस पूरे टूर्नामेंट का ऐसा पल था जिसे देखकर खिलाड़ियों के साथ खुद फैंस भी काफी भावुक हुए। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस लगातार शेयर कर रहे हैं। यहां तक खुद आईपीएल के ट्विटर अकाउंट से भी इस पल के वीडियो को ट्वीट किया गया है।

इस मुकाबले में जीत हासिल करने के लिए आखिरी दो गेंदों पर रविंद्र जडेजा के बल्ले से निकले छक्के और चौके के दम पर महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स ने रोमांच की पराकाष्ठा के बीच फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स भी पांच बार की आईपीएल चैंपियन बन चुकी है। चेन्नई ने वर्ष 2010, 2011, 2018, 2021, 2023 में आईपीएल खिताब पर कब्जा जमाया है।

रविंद्र जडेजा ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेली गई इस पारी की बदौलत ये दिखा दिया है कि वो भी शानदार फिनिशर की भूमिका बेहतरीन तरीके से निभा सकते है। इस पारी में दमदार प्रेशर के बीच परफॉर्म करने के टैलेंट की बदौलत जडेजा ने सभी फैंस का और खासतौर से महेंद्र सिंह धोनी का दिल जीत लिया है। मुकाबले के बाद दोनों एक दूसरे के जिस तरह से गले लगे उससे साफ है कि जीत की खुशी दोनों के लिए कितनी अहम थी। आईपीएल खेल रहे धोनी ने आंखों में आई नमी को छिपाने के लिये आंखें बंद कर ली। बाद में वह जश्न मनाने के लिये टीम के बीच पहुंचे।

इससे पहले बी साइ सुदर्शन के 47 गेंद में 96 रन की मदद से गत चैम्पियन गुजरात टाइटंस ने चार विकेट पर 214 रन बनाये। सुदर्शन ने अपनी पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाये। उन्होंने महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाकर गुजरात को विशाल स्कोर दिया। शुभमन गिल 20 गेंद में 39 और रिधिमान साहा अर्धशतक बनाकर आउट हुए। जवाब में चेन्नई की शुरूआत काफी आक्रामक रही और डेवोन कोंवे (25 गेंद में 47 रन) तथा रूतुराज गायकवाड़ (16 गेंद में 26 रन) ने पहले विकेट के लिये 39 गेंद में 74 रन जोड़े। दूसरे छोर से साहा ने तीसरे ओवर में 16 रन निकालकर चेन्नई पर दबाव बनाया। इसके बाद गिल ने देशपांडे को लगातार तीन चौके लगाये जबकि साहा का रिटर्न कैच चाहर ने छोड़ा। पावरप्ले के बाद गुजरात का स्कोर बिना किसी नुकसान के 62 रन था। सातवें ओवर में हालांकि महेंद्र सिंह धोनी ने कुशल स्टम्पिंग का नमूना पेश करते हुए गिल को पवेलियन भेजा जबकि गेंदबाज रविंद्र जडेजा थे। गिल ने इस सत्र में 17 मैचों में 59 . 33 की औसत और 157 . 80 के स्ट्राइक रेट से 890 रन बनाये जो आईपीएल के इतिहास में किसी बल्लेबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। साहा ने इस आईपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक 13वें ओवर में पूरा किया। उनके और साइ सुदर्शन के बीच 64 रन की साझेदारी 14वें ओवर में खत्म हुई जब चाहर ने उन्हें धोनी के हाथों लपकवाया।

साहा ने 39 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाये। इस सत्र में गुजरात के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज सुदर्शन ने अपना तीसरा अर्धशतक मथीषा पथिराना को लगातार चौके लगाकर पूरा किया। उन्होंने तीक्षणा को दो छक्के लगाये जबकि देशपांडे को तीन चौके और एक छक्का जड़ा। आखिरी ओवर में पथिराना ने सुदर्शन को पगबाधा आउट करके शतक से वंचित कर दिया। हार्दिक पंड्या ने 12 गेंद में नाबाद 21 रन बनाये।

पांड्या डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत के लिए अहम योगदान दे सकते थे : रिकी पोंटिंग

दुबई। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत को लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए हार्दिक पंड्या को अपनी टीम में शामिल करना चाहिए था क्योंकि यह ऑलराउंडर इस मुकाबले में निर्णायक भूमिका निभा सकता था। पंड्या ने 2018 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है और उन्होंने फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण पांच दिवसीय प्रारूप में नहीं खेलने का फैसला किया है। पोंटिंग को हालांकि लगता है कि पंड्या सात से 11 जून तक द ओवल में होने वाले खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते थे। मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि उन्होंने हाल ही में समाप्त हुए इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के लिए लगभग प्रत्येक मैच में गेंदबाजी की। पंड्या टाइटंस के कप्तान हैं।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू के लिए लिखा, ''मैंने सोचा कि भारत के लिए इस एकमात्र टेस्ट मैच में हार्दिक पंड्या जैसा कोई खिलाड़ी कितना अहम हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि वह आधिकारिक तौर पर कह चुका है कि टेस्ट मैच में खेलना शायद उसके शरीर के लिए थोड़ा कड़ा है। लेकिन सिर्फ एक मैच के लिए वह आईपीएल में प्रत्येक मैच में गेंदबाजी कर रहा था और वह तेज गेंदबाजी कर रहा था।'' आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने कहा कि पंड्या सात से 11 जून तक होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय टीम के लिए मैच का रुख बदलने वाले

खिलाड़ी (एक्स फेक्टर) हो सकते थे। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत सात जून से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन दोनों को खिलायेगा। तीन बार वनडे विश्व कप विजेता पोंटिंग का यह भी मानना है कि भारत को बायें हाथ के बल्लेबाज-विकेटकीपर ईशान किशन को भी ओवल में होने वाले मैच में आजमाना चाहिए। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) रिव्यू के पॉडकास्ट पर कहा, ''मुझे लगता है कि वे जडेजा और अश्विन को चुनेंगे क्योंकि जडेजा छठे नंबर के बल्लेबाजी क्रम पर खेल सकता है। उसकी (जडेजा) बल्लेबाजी में इतना सुधार हो चुका है कि वे उसे अब बतौर बल्लेबाज चुन सकते हैं जो जरूरत पड़ने पर शायद कुछ ओवर गेंदबाजी भी कर सकता है। ''

उन्होंने कहा, ''इसमें कोई शक नहीं है कि जडेजा की तुलना में अश्विन बेहतर टेस्ट गेंदबाज है लेकिन अगर जब खेल चौथे और पांचवें दिन में पहुंचेगा और टर्न मिलने लगेगी और अगर जडेजा को इस बल्लेबाजी स्थान पर शामिल किया जाता है तो इससे भारत को वास्तव में उच्च स्तर का दूसरा स्पिन गेंदबाजी विकल्प मिल सकता है। '' ओवल में पोंटिंग एशेज के कई मैच खेल चुके हैं जिससे उन्हें काफी टर्न मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''ओवल की पिच बल्लेबाजी के लिये काफी अच्छी है। इस पर पहले दिन से तेज गेंदबाजों को आमतौर पर मदद मिलती है लेकिन यह मदद इतनी ज्यादा नहीं होती। लेकिन मैं वहां ऐसे भी कुछ मैच खेला हूं जिसमें पिच काफी टर्न लेती है। अगर यह थोड़ी सूख जायेगी तो इस पर काफी टर्न हो सकता है। ''

एशिया कप 2023: अब पाकिस्तान में नहीं बल्कि इस देश में हो सकता है एशिया कप, अंतिम फैसला होना बाकी

नई दिल्ली। एशिया कप 2023 के आयोजन को लेकर अभी तक स्थिति साफ नहीं हो सकी है। पाकिस्तान में पास इसकी मेजबानी है। हालांकि, भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से साफ तौर पर मना कर दिया था। इसी के बाद से एशिया कप को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है। भारत को श्रीलंका और बंग्लादेश जैसे क्रिकेट बोर्ड का भी समर्थन मिला है। वहीं, पाकिस्तान हर हाल में एशिया कप की मेजबानी अपने पास रखना चाहता है। लेकिन अब उसे झटका लगता दिख रहा है।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने खुलासा किया है कि वह एशिया कप 2023 की मेजबानी की दौड़ में शामिल हो गयी हैं। यह पाकिस्तान के लिए एक झटका है, जो पिछले कुछ समय से हाइब्रिड मॉडल में मल्टी-टीम टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए तैयार था। रविवार को आईपीएल के धुल चुके अंतिम दिन के मौके पर, सभी एसीसी सदस्य मिले। पीसीबी प्रतिनिधी इसमें सामिल नहीं थे। बीसीसीआई ने नवीनतम हाइब्रिड मॉडल से इनकार किया। यह या तो कोलंबो में हो या नहीं हो। पीसीबी के ताजा प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। उस प्रस्ताव में, पीसीबी ने सुझाव दिया था कि जहां कुछ मैच पाकिस्तानी सरजमीं पर होंगे, वहीं भारतीय टीम यूएई में सभी मैच खेलेगी। यहां रसद के संबंध में यह एक जटिल प्रक्रिया है, भारतीय बोर्ड ने इसे स्वीकार नहीं किया। लेकिन इसे खारिज कर दिया गया है। एसएलसी के एक शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया है कि बोर्ड पीसीबी के बजाय एशिया कप 2023 की मेजबानी करने के लिए तैयार है, और गेंद अब अंतिम फैसला करने के लिए एसीसी के पाले में है।

फ्लेमिंग ने कहा, जडेजा ने साबित कर दिया कि खेल में परीकथाएं होती हैं

अहमदाबाद। स्टीफन फ्लेमिंग खेल में परियों की कहानियों में विश्वास नहीं करते लेकिन रविंद्र जडेजा का बेजोड़ बल्लेबाजी करवेक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को उसका पांचवां आईपीएल खिताब दिलाना इसी तरह की कहानी करीब है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में अंतिम ओवर में जीत के लिए सीएसके को 13 रन की जरूरत थी लेकिन टीम शुरुआती चार गेंद में तीन रन ही बना सकी। जडेजा ने इसके बाद मोहित शर्मा की आखिरी दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर टाइटंस से जीत छीन ली। फ्लेमिंग ने सुपरकिंग्स वेक खिताब जीतने वेक बाद संवाददाताओं से कहा,'' वे कहते हैं कि खेल में परियों की कोई कहानी नहीं होती लेकिन आज बहुत अच्छी कहानी थी। पिछले 18 महीने थोड़े मुश्किल रहे, क्योंकि कप्तानी मुश्किल थी, चोट की समस्या थी, उसने (जडेजा ने)खेल से बाहर थोड़ा समय बिताकर वापसी की और टेस्ट टीम में जगह बनाई और फिर सीएसवेक की टीम में।''

असल में मोहित की अंतिम दो गेंद पर जडेजा की शानदार बल्लेबाजी से पहले फ्लेमिंग ने मन ही मन हार मान ली थी। फ्लेमिंग ने कहा, ''हम आखिरी गेंद पर फाइनल हारे हैं जो दिल तोड़ने वाला रहा है। मैं खुद को एक बार फिर दिल टूटने वेक लिए तैयार कर रहा था जब जडेजा ने छक्का लगाया और इसवेक बाद दिल भी टूट सकता था और खुशी भी मिल सकती थी, मैं सुनिश्चित नहीं था।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन जब मैंने देखा कि गेंद बाउंड्री की ओर जा रही है तो यह परम आनंद था। यह प्रतियोगिता आपको ऐसे भावनात्मक स्तर तक ले जाती है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते।'' फ्लेमिंग ने जडेजा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा ''वह गेंद वेक साथ शानदार भूमिका निभाता है, लेकिन हमारे पास इतने सारे बल्लेबाज हैं कि हम उसका उपयोग निचले क्रम में करते हैं। महेंद्र सिंह धोनी उसे वहां तक पहुंचाने में बहुत सहायक और सक्रिय रहे हैं तथा आज वह उस विश्वास पर खरा उतरा।'' सीएसके के कोच ने कहा कि पहले हाफ में उनकी टीम ने खराब प्रदर्शन किया लेकिन बारिश से प्रभावित मैच के आगे बढ़ने के साथ टीम बेहतर होती गई और आत्मविश्वास भर गई। उन्होंने कहा, ''215... मैंने सोचा कि यह अच्छा स्कोर था लेकिन बारिश आ गई और हमें लय बदलनी पड़ी। हमने सोचा कि पिच के आसपास नमी को देखते हुए इस

लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इसके लिए काफी अच्छी बल्लेबाजी की जरूरत थी।'' फ्लेमिंग ने कहा, ''शुरुआत वास्तव में महत्वपूर्ण थी क्योंकि हम तब भी अपने क्षेत्ररक्षण से हैरान थे। पहले चार या छह ओवरों से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा और एक बार आप लय में आ जाएं तो यह उस प्रकार का मैदान है जहां लक्ष्य का बचाव करना कठिन है इसलिए हमें पता था कि हमारे पास मौका है।'' फ्लेमिंग ने मुकाबले को अंतिम गेंद तक ले जाने के लिए गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों मोहम्मद शमी और मोहित शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''आखिरी के कुछ ओवर काफी कड़े थे। शमी और मोहित ने अच्छी गेंदबाजी की, खासकर मोहित शर्मा ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।'' डेढ़ दशक से सीएसके के कोच रहे फ्लेमिंग ने भारत के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की प्रशंसा की जो टीम के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रहे। रहाणे ने इस दौरान आक्रामक बल्लेबाजी की और जोखिम उठाया। फ्लेमिंग ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस ठप्पे से छुटकारा पाया गया कि आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी करते रहेंगे। मुझे लगता है कि शायद उसके दिमाग में इसका कुछ ज्यादा ही प्रभाव था और वह उस तरह का खिलाड़ी नहीं बन पा रहा था जिस तरह का हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''और एक बार जब वह ठप्पा हट गया तो मैंने सत्र पूर्व ट्रेनिंग के बीच में एक व्यक्ति को देखा जो शानदार फॉर्म में था।'' फ्लेमिंग ने कहा कि रहाणे उनकी शुरुआती योजनाओं में शामिल नहीं थे। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि आईपीएल से संन्यास लेने वाले अंबाती रायुडू के जाने से टीम में बड़ा खालीपन आ जाएगा। फ्लेमिंग ने कहा, ''अंबाती रायुडू शानदार खिलाड़ी रहा है। मैं उसे एक बल्लेबाज के रूप में बहुत ऊंचा आंकता हूं और सबसे अच्छी फॉर्म में चल रहे गेंदबजों में से एक मोहित शर्मा के खिलाफ उन तीन गेंद ने इसे साबित किया। उस पर छक्का, चौका और फिर छक्का जड़ना स्तरीय बल्लेबाजी थी।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं की रायुडू के जाने से खालीपन आएगा लेकिन खेल आगे बढ़ता रहता है। क्या ऐसा नहीं है।

आईपीएल 2023 में जीत के हीरो ने मैच के बाद जडेजा ने पत्नी रिवाबा को मैदान में लगाया गले

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 की विजेता महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स बन गई है। इस मुकाबले में रविंद्र जडेजा के बल्ले से आखिरी दो गेंदों पर निकले छक्के और चौके की बदौलत टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से मात देकर साथ पांचवीं बार खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत का पूरा श्रेय जहां टीम को जाता है वहीं अंतिम दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर असल में टीम को जीत दिलाने वाले रविंद्र जडेजा ने खुद को जबरदस्त मैन फिनिशर के तौर पर स्थापित किया है। जैसे ही रविंद्र जडेजा ने अंतिम गेंद पर चौका जड़ा तो डगआउट में बैठी पूरी चेन्नई सुपर किंग्स

की टीम खुशी से मैदान की ओर दौड़ पड़ी। इस दौरान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी डगआउट में ही बैठे रहे फिर वो रविंद्र जडेजा की तरफ बढ़े और उन्हें गले व उठा कर जीत की शुभकामनाएं दी। ये ऐसा पल था जो लगातार सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स के फैन्स के लिए ये बेहद ही इमोशनल पल था, जिसकी लगातार चर्चा हो रही है। इस मैच में जीत हासिल करने के बाद जब पूरी टीम के खिलाड़ी अपने परिवार से मिल रहे थे उसी दौरान रविंद्र जडेजा भी अपनी पत्नी रिवाबा से मिलते दिखे। इस दौरान दोनों के बीच काफी इमोशनल मोमेंट देखने को मिला, जो कैमरे में भी कैद हुआ है। जीत के बाद मैदान पर रविंद्र जडेजा ने वाइफ रिवाबा को गले लगा लिया। सोशल मीडिया पर ये वीडियो जमकर शेयर किया जा रहा है।

सुदर्शन ने कहा, धैर्यपूर्ण रवैये से आईपीएल फाइनल में 96 रन बनाने में मदद मिली

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन ने इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ 47 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी का श्रेय अपनी बल्लेबाजी में धैर्यपूण रवैये को देते हुए कहा कि उन्हें खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान देने का फायदा मिला। सुदर्शन ने आठ चौकों और छह छक्कों से 96 रन बनाए जिससे टाइटंस की टीम चार विकेट पर 214 रन बनाने में सफल रही और उसके लगातार दूसरा खिताब जीतने की उम्मीद बढ़ गई थी। रविंद्र जडेजा ने हालांकि आखिरी दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाया जिससे सुपरकिंग्स ने बारिश से प्रभावित फाइनल में 15 ओवर में 171 रन के संशोधित लक्ष्य को हासिल कर लिया।

सुदर्शन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैंने पिछले मैच में बहुत अधिक दबाव महसूस किया। मुझे इस बात का अहसास हुआ कि अधिक धैर्य दिखाना कहीं बेहतर है और मुझमें बहुत बेहतर करने की क्षमता है। मैं इस मैच में कहीं अधिक धैर्य के साथ खेला।'' इक्कीस साल के सुदर्शन ने कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालीफायर दो में 43 रन के स्कोर पर रिटायर्ड आउट होना 'व्यक्तिगत रूप से चिंताजनक' था लेकिन उन्हें पता था कि यह टीम का फैसला था। उन्होंने कहा, ''निजी तौर पर यह निश्चित रूप से चिंताजनक था लेकिन यह टीम का फैसला था और जिस तरह से तीसरे,

चौथे और पांचवें नंबर के बाद हमारे बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे थे, वे इस सत्र में आक्रामक रहे हैं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से टीम का फैसला था। यह निश्चित तौर पर टीम के हित में था और मैं शत प्रतिशत इसके साथ हूं।''

फाइनल में बल्लेबाजी के रवैये के बारे में पूछे जाने पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, ''जब शुभमन (गिल) आउट हुए तो मैं क्रीज पर टिके रहने और स्कोरबोर्ड पर नियंत्रण रखने के बारे में सोच रहा था। मैं अपनी तरफ से जोखिम उठाने की कोशिश कर रहा था और साथ ही टिके रहना चाहता था।'' उन्होंने कहा, ''यह मानसिक पहलू के बारे में अधिक था, कैसे तैयार होना है, कैसे जागरूक होना है या कैसे तय करना है कि उस स्थिति में क्या करना है। मैंने उस पर थोड़ा काम किया है और जाहिर तौर पर कौशल पर भी।'' सुदर्शन टाइटंस के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने आठ मैचों में 51.71 के औसत और 141.40 के स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए जिसमें तीन अर्द्धशतक भी शामिल हैं।

रविचंद्रन अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ी से सराहना हासिल करने वाले सुदर्शन ने कहा, ''निश्चित रूप से, (मैं) टीम में योगदान देने के लिए बहुत खुश हूं लेकिन थोड़ा दुखी भी हूं क्योंकि परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा।'' उन्होंने मूल्यवान सुझाव देने का श्रेय टाइटंस और तमिलनाडु टीम के अपने साथी विजय शंकर को दिया। सुदर्शन ने कहा, ''हमने क्रिकेट पर काफी चर्चा की, खासकर इस आईपीएल में। हमने एक-दूसरे के साथ विचार साझा किए और इससे मुझे बहुत मदद मिली। पिछले मैच के बाद भी उन्होंने कुछ सुझाव दिए जो मेरे लिए काफी उपयोगी रहे।''

गुजरात टाइटंस के टीम निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि वह सीएसके से श्रेय छीनने नहीं जा रहे हैं जिसने रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला पांचवां आईपीएल खिताब जीता। सोलंकी ने कहा, ''मैं सीएसके से श्रेय नहीं छीनने जा रहा। आज नहीं। वे चैंपियन थे और वे चैंपियन बनने के हकदार हैं। हमने वह सब किया जो हम कर सकते थे, हम मुकाबले को अंतिम गेंद तक ले गए।'' उन्होंने कहा, ''मुकाबले में उतार-चढ़ाव आता रहा। हम बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया। परिस्थितियां बदलीं या नहीं इस पर आप बातचीत जारी रख सकते हैं, लेकिन टीम ने जो हासिल किया है मैं उससे श्रेय नहीं लेने जा रहा।

'संस्थागत लीग से विभागों को फुटबॉल में निवेश करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा'

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी आईएम विजयन का मानना है कि संस्थागत लीग शुरू करने से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), राज्यों के विभिन्न विभागों और पुलिस इकाइयों को देश भर में खेल में निवेश करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पीएसयू, राज्य विभागों और पुलिस इकाइयों से खेलने वाले फुटबॉलारों के लिए प्रतिस्पर्धा के और मौके बनाने के लिए संस्थागत लीग शुरू करने की घोषणा की है जिसकी देश के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकरों में से एक रहे विजयन ने सराहना की है। विजयन ने कहा, ''जब मैं किशोर था तो केरल पुलिस ने मुझे अपनी टीम में शामिल किया था। केरल पुलिस के लिए खेलने के बाद ही मैं मोहन बागान, जेसीटी, ईस्ट बंगाल और अन्य टीमों की ओर से खेला था। मेरी यात्रा की शुरुआत केरल पुलिस के साथ हुई थी जिसने मुझे नौकरी और शीर्ष स्तर पर खेलने का मौका दिया।'' केरल पुलिस फुटबॉल अकादमी वेक निदेशक, एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के सदस्य और इसकी तकनीकी समिति के अध्यक्ष विजयन का मानना है कि संस्थागत लीग से विभागीय टीमों में निवेश को नई ऊर्जा मिलेगी और खिलाड़ियों को फायदा होगा।

पहलवानों के खिलाफ कार्रवाई का वीडियो देखक रबिंद्रा परेशान

नई दिल्ली। भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने जंतर-मंतर पर देश के शीर्ष पहलवानों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा है कि भयावह छवियां देखकर उनकी नींद उड़ गई थी और वह डर गए थे। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट जैसे ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को दिल्ली पुलिस ने जबरदस्ती बस में डाला जब पहलवानों और उनके सामर्थकों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला 'महापंचायत' के लिए नए संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश की।

आंदोलनकारी पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं जिन पर उन्होंने एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने संसद की नई इमारत के समीप उस दिन महिला महापंचायत का आह्वान किया जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका उद्घाटन करना था। बिंद्रा ने ट्वीट किया, ''साथी भारतीय पहलवानों के विरोध की भयावह तस्वीरें देखकर कल रात नींद नहीं आई, डरा हुआ था।''

भारत के सबसे सफल फुटबॉलर सुनील छेत्री और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी पहलवानों के खिलाफ कार्रवाई की आलोचना की। बीजिंग ओलंपिक 2008 में एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा, ''समय आ गया है कि हम सभी खेल संगठनों में स्वतंत्र सुरक्षा उपायों को लागू करें। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि अगर इस तरह की स्थिति पैदा होती है तो इससे बेहद संवेदनशीलता और सम्मान के साथ निपटा जाए।'' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने भी पहलवानों के समर्थन में ट्वीट किया। मायावती ने ट्वीट किया, ''विश्व कुश्ती में भारत का नाम रोशन करके गौरवपूर्ण स्थान पाने वाली भारतीय बेटियां भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख पर शोषण के गंभीर आरोपों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन करने को मजबूर हैं। इन बेटियों को न्याय दिलाने के लिए केन्द्र सरकार को जरूर आगे आना चाहिए।'' उत्तर प्रदेश के एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी केंद्र सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर खोखले वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट किया, ''आज की घटना (जंतर-मंतर पर रविवार की घटना) ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के महिला सम्मान एवं सुरक्षा के सभी नारे खोखले हैं तथा वो केवल महिलाओं के वोट हड़पने के लिए थे।''

पहलवानों ने बैरिकेड को तोड़कर जंतर-मंतर से नए संसद भवन की ओर बढ़ने का प्रयास किया जिसवेक बाद उनवेक और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पहलवानों को हिरासत में लिया गया और दिल्ली में अलग-अलग पुलिस थानों में ले जाया गया।

सम्पादकीय

हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को छह दिनों की विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वह तीन देश जाएंगे और तीन बहुपक्षीय सम्मेलनों में शामिल होंगे। वहीं वह 40 से ज्यादा कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। दो दर्जन से ज्यादा वैश्विक नेताओं से उनकी मुलाकात होगी और इनमें से कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। जापान में जी-7 के शिखर सम्मेलन और पापुआ न्यू गिनी में इघ्घ्घ (फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन) के तीसरे सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रमों में तो कोई फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित क्वॉड देशों की बैठक जरूर आखिरी पलों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के न आ पाने के कारण टाल दी गई। अमेरिका में डेट सीलिंग यानी कर्ज की सीमा बढ़ाने को लेकर विधायिका के साथ बना गतिरोध दूर करने के लिए प्रस्तावित बातचीत की वजह से बाइडेन ने क्वॉड बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता दी थी। चूंकि क्वॉड के चारों सदस्य देश (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) जी-7 बैठक में भी शामिल होंगे। इसलिए कोशिश यह की जा रही है कि हिरोशिमा में ही क्वॉड की बैठक भी हो जाए। हालांकि क्वॉड की बैठक टलने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा को प्रभावित नहीं होने दिया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के गाढ़े होने का यह भी एक संकेत माना जा सकता है। पापुआ न्यू गिनी की उनकी यात्रा इस मायने में रेखांकित करने लायक है कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की उस द्वीपीय राष्ट्र की पहली ही यात्रा है। इससे संबंधों का एक नया सिलसिला शुरू होने की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदा यात्रा के दौरान सबकी नजरें हिरोशिमा में होने वाली जी-7 बैठक पर ही रहेगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की शिरकत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि अभी जी-20 की अध्यक्षता भी भारत के पास ही है। जापान ने भी इस तथ्य को रेखांकित करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे जी-7 और जी-20 के बीच तालमेल बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मगर बदलते वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है कि खुद जी-7 की स्थिति में, उसकी शक्ति और प्रभाव में भी काफी बदलाव आया है। दुनिया के 7 सबसे अमीर लोकतांत्रिक देशों- अमेरिका, जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और इटली- का यह समूह घ्इ के मुताबिक 1990 में विश्व के कुल जीडीपी का आधे से ज्यादा हिस्सा कवर करता था जो अब घटकर 30 फीसदी पर आ गया है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे खाद्य संकट जैसी चुनौतियों की बात हो या चीन और रूस की गोलबंदी को कमजोर करने और रूस के खिलाफ प्रतिबंध कड़े करने का सवाल, यह जरूरी है कि जी-7 अपनी और दुनिया की बदलती वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए ही कदम बढ़ाए।

मोदी विरोध में अंधा हो चुका विपक्ष अब देश की संसद का ही विरोध कर रहा है

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान बढ़ रहा है, वहीं भारत में लोकतंत्र के इतिहास की एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक घटना का बहिष्कार करते हुए समूचा विपक्ष भारतीय लोकतांत्रिक उजालों पर कालिख पोतने का प्रयास कर रहा है। यह समय न केवल नये संसद भवन के उद्घाटन बल्कि लगातार दुनिया में भारत एवं उसके महानायक के सम्मान की घटनाओं को लेकर गर्व एवं गौरव करने का है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन ऐतिहासिक क्षणों को यादगार बनाते हुए विपक्ष विवेक एवं परिपक्व सोच का परिचय देने की बजाय संकीर्ण, बिखरावमूलक एवं विनाशकारी राजनीति का परिचय दे रहा है। अब यह लगभग तय हो चुका है कि लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह से विपक्ष के 19 दल गायब रहेंगे। इन विपक्षी दलों ने बाकायदा घोषणा कर दी कि वे रविवार को होने वाले इस समारोह का बहिष्कार करेंगे। कारण यह है कि संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों करना तय किया गया है, जबकि विपक्षी दलों के मुताबिक यह काम राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी जापान, पापुआ न्यू गिनी और आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सम्मान मिला, वह हर भारतीय को अभिभूत कर देने वाला है। यह सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। यह सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। सौ साल में आई भयंकर कोरोना महामारी, दूसरी तरफ युद्ध की स्थिति में बंटा हुआ विश्व और संकट भरे माहौल को प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से सम्भाला इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा। पूर्व के छोर पर स्थित छोटे से देश पापुआ न्यू गिनी जैसे अनेक जरूरतमंदों देशों की भारत ने मदद कर मानवता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

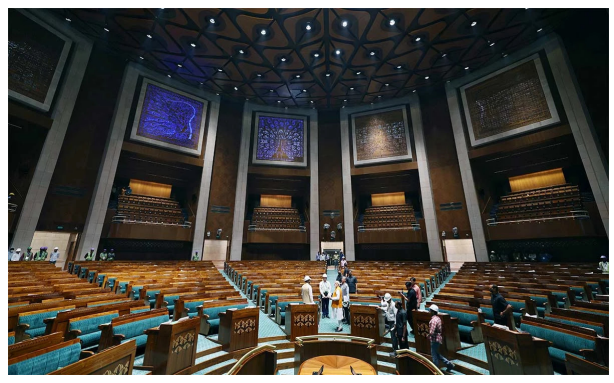

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पापुआ न्यू गिनी पहुंचने पर सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हैं। किसी जमाने में पेशावर से पापुआ न्यू गिनी तक हिन्दू संस्कृति का साम्राज्य था। पांव छूने की इस घटना ने हमारी उस प्राचीन संस्कृति को एक बार फिर से मजबूत कर दिया। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। उनको मिले सम्मान से हर भारतीय अभिभूत एवं गौरवान्वित है, स्वस्थ राजनीतिक धर्म का पालन करते हुए तमाम विवादों के रहते विपक्ष को उनको मिल रहे सम्मान का स्वागत करना चाहिए। लेकिन सम्मान तो दूर की बात उनके द्वारा संसद भवन के लोकार्पण करने के कारण ही इस ऐतिहासिक घटना का बायकाट कर

विपक्ष ने अपने विपक्षी धर्म को धुंधलाया है, जो शर्मनाक एवं लज्जाजनक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच एक दूसरे के लिए जबरदस्त आत्मीय भाव दिखा। बाइडेन और मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि "आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। अमेरिका में आपके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अनेक बड़ी-बड़ी हस्तियां मेरे से टिकट उपलब्ध करने के लिए सिफारिशें कर रही हैं। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।" आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर पूरा स्टेडियम इंडिया-इंडिया के शोर से गूंज उठा उसे देखकर आस्ट्रेलियाई पीएम को भरे मंच से कहना पड़ा कि मोदी ही बॉस हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियां जिसे इतना सम्मान दे रही हैं, ऐसे युगपुरुष के करकमलों से संसद भवन का उद्घाटन होना सौभाग्य की बात है। इस सौभाग्य को घटित होते हुए देखना एवं उसमें शामिल होने का भाव विपक्ष में जागना, कहीं-न-कहीं विपक्ष को उजाले साये ही देता। लेकिन जो अंधेरे सायों से प्यार करते हैं, उनकी आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है विपक्ष की बुद्धि एवं विवेकहीनता पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करता है, आकाश में पैबंद लगाना चाहता हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीति रूपी सागर की यात्रा करना चाहता है।

नरेन्द्र मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गईं, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी हैं। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। विरोध करने वाले दल एवं राजनेता स्वयं भी इस बात को महसूस करते हैं। फिर भी वर्ष 2024 के चुनावों के मद्देनजर जनता को गुमराह करने के लिये और उसका मनोबल कमजोर करने के लिये वे उजालों पर कालिख पोत रहे हैं, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावना है। विपक्षी दल एवं उनके नेताओं को सद्बुद्धि आए, वे अपना श्रम एवं श्रम सार्थक एवं उद्देश्यपरक राजनीति को मजबूत करने में लगायें तो भारत का लोकतंत्र ज्यादा सुदृढ़ होगा। विरोध ही करना हो तो स्तर का विरोध करें, क्योंकि लोकतंत्र में स्तर का विरोध एवं आलोचना का स्वागत है और इससे लोकतंत्र को मजबूती ही मिलती है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन का सुझाव दिया, सही है। लेकिन इसको लेकर जो जड़ता एवं हठधर्मिता का प्रदर्शन किया, वह गलत है। विपक्ष का यह कहना है कि प्रधानमंत्री सदन का हिस्सा और शासन प्रमुख होने के नाते अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहते हैं और उन्हें उस तरह की निर्विवाद हैसियत हासिल नहीं होती, जो संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राष्ट्रपति को प्राप्त होती है। लेकिन यहां बड़ा सवाल यह है कि इस सुझाव पर विपक्ष को सामान्य स्थिति में कितना जोर देना चाहिए था। क्या इसे इस सीमा तक खींचना जरूरी था कि उस आधार पर समारोह का ही बहिष्कार कर दिया जाए? निश्चित रूप से विपक्ष की यह हठधर्मिता सहज-स्वाभाविक नहीं कही जा सकती। यह इस बात का सबूत है कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने की बजाय प्रधानमंत्री का विरोध ही विपक्ष की नियति बन गयी है। नौ वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा विरोध मोदी का हुआ, शायद पहले कभी किसी प्रधानमंत्री का नहीं हुआ। मोदी का विरोध कोई नयी बात नहीं है। आश्चर्य इस बात का है कि विरोध की तीव्रता एवं दीर्घता के बावजूद मोदी के अस्तित्व पर कोई आंच नहीं आयी। हां, इन स्थितियों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेदों की खाई बहुत ज्यादा चौड़ी हो चुकी है। दोनों के बीच विश्वास का संकट पैदा हो गया है। यही चिंता की सबसे बड़ी बात है और एक आदर्श एवं सफल लोकतंत्र को कमजोर करने की द्योतक है। प्रधानमंत्री की आलोचना करना विपक्ष के लिए आसान हो सकता है लेकिन उनके त्याग को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है। ऐसे में विपक्ष को भगवान सद्बुद्धि दें।

नए संसद भवन के उद्घाटन की लड़ाई-एनडीए बनाम यूपीए गठबंधन तक आई

संसद के नए भवन के उद्घाटन की लड़ाई आखिरकार एनडीए बनाम यूपीए गठबंधन तक पहुंच ही गई है। इसी के साथ यह भी साफ हो गया है कि विपक्षी दलों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत राष्ट्रपति द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन नहीं करने का मुद्दा उठाकर इसके बहिष्कार का फैसला किया है। दरअसल, 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए मोदी के विरोध में सभी विपक्षी दलों का एक साझा मोर्चा बनाने के लिए देश भर में राजनीतिक यात्रा करने वाले नेताओं और इन यात्राओं के पीछे मौजूद राजनीतिक दिमाग यह भांप गए कि इस मुद्दे के सहारे विपक्षी दलों को एक मंच पर लाया जा सकता है। वर्तमान में पूर्ण और शानदार बहुमत के साथ केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की सरकार है। वहीं कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद उत्साह और उमंग से भरी हुई कांग्रेस के नेतृत्व में भी यूपीए गठबंधन चल ही रहा है। लेकिन वास्तविकता यही है कि आज के दौर में यूपीए ही नहीं एनडीए भी कमजोर ही नजर आ रहा है। अकाली दल और उद्धव ठाकरे के अलग हो जाने के बाद अब एनडीए सिर्फ और सिर्फ बीजेपी की ताकत पर ही टिका हुआ है तो वहीं सत्ता से बाहर होने की वजह से कांग्रेस के इकबाल में भी कमी आई है।

लेकिन संसद के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के बहिष्कार के बहाने ही सही कांग्रेस न केवल यूपीए गठबंधन को मजबूत करने में कामयाब होती नजर आ रही है बल्कि अपने साथ कुछ ऐसे दलों को भी जोड़ती नजर आ रही है जो पिछले कुछ सालों से लगातार कांग्रेस का विरोध ही करते नजर आ रहे हैं। देश के जिन 19 विपक्षी राजनीतिक दलों ने साझा बयान जारी कर संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के बहिष्कार का ऐलान किया है, उसमें यूपीए गठबंधन में पहले से ही शामिल डीएमके, जेएमएम, एनसीपी और आरजेडी तो शामिल हैं ही। इसके अलावा मनमोहन सिंह सरकार से समर्थन वापस लेने वाले लेफ्ट फ्रंट के साथ ही कांग्रेस के कट्टर विरोधी आप और टीएमसी जैसे दल भी शामिल हैं। इसमें सपा जैसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो अपने सबसे मजबूत गढ़ यूपी में कांग्रेस के लिए कोई स्पेस छोड़ने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के लिए सबसे खास

बात यह भी है कि इन 19 राजनीतिक दलों के साझा बयान में कांग्रेस पार्टी का नाम सबसे ऊपर है। कांग्रेस को अब यह लगने लगा है कि मोदी विरोधी सारे दल उसके झंडे तले उसके साथ आ सकते हैं और अगर ऐसा हुआ तो बनने वाले नए मोर्चे का नाम भले ही कुछ भी हो लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए गठबंधन मजबूत होगा ही।

यह माना जा रहा है कि कांग्रेस की इस यूपीए वाली राजनीति की काट के लिए ही भाजपा ने एनडीए वाला दांव चल दिया है। बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा समेत 14 दलों ने विपक्ष के 19 दलों के बहिष्कार के फैसले की घोर निंदा की और कहा कि यह महज अपमानजनक फैसला नहीं है बल्कि इस महान देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मान्यताओं पर हमला है। भाजपा, शिंदे वाली शिवसेना, एनपीपी, एनडीपीपी, एसकेएम, एमएनएफ, जेजेपी, रालोजपा, अपना दल (सोनेलाल), आरपीआई (ए), तमिल मनीला कांग्रेस, एआईएडीएमके, आईएमकेएमके और एजेएसयू ने एनडीए की तरफ से साझा बयान जारी कर विपक्षी एकता पर तंज कसते हुए कहा कि इनकी एकता, राष्ट्रीय विकास के लिए एक साझा दृष्टि नहीं, बल्कि वोट बैंक की राजनीति के लिए साझा अभ्यास है और भ्रष्टाचार के प्रति स्पष्ट रुझान व झुकाव है। ऐसी पार्टियां कभी भी भारतीय लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती हैं। ये विपक्षी पार्टियां जो कर रही हैं, वह महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर, सरदार पटेल और देश की ईमानदारी से सेवा करने वाले ऐसे अनगिनत अन्य लोगों के आदर्शों का अपमान है, जिन्होंने समर्पण- प्रतिबदधता से देश निर्माण में जीवन लगा दिया। विपक्षी दलों के ये काम उन महान नेताओं के मूल्यों- योगदान को कलंकित करते हैं, जिन्होंने हमारे लोकतंत्र को स्थापित करने के लिए अथक परिश्रम किया। भारत के 140 करोड़ लोग, भारतीय लोकतंत्र और उनके चुने हुए प्रतिनिधियों के प्रति विपक्ष के इस घोर अपमान को नहीं भूलेंगे। घोषित रूप से भले ही इस मुद्दे के सहारे एनडीए गठबंधन का विस्तार होता दिखाई नहीं दे रहा है लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि इस मुद्दे पर एनडीए में शामिल 14 राजनीतिक दलों के अलावा भी अन्य कई राजनीतिक दल उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने की बात कह कर भाजपा के प्रति अपने सॉफ्ट रुख का भी परिचय दे रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल, बीजू जनता दल, वाईएसआरसी और टीडीपी सहित कई अन्य राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 मई को किए जाने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही है। साफ तौर पर नजर आ रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए अपने-अपने कुनबे को मजबूत करने के मिशन में जुट गए हैं, हालांकि किसका कुनबा ज्यादा मजबूत होगा यह तो जनता ही तय करेगी लेकिन यह भी देखने वाली बात होगी कि किसके खेमे में कितने सेनापति (राजनीतिक दल) फाइनली खड़े नजर आते हैं।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है मध्य प्रदेश

पिछले आठ-दस वर्षों का सिंहावलोकन करने पर ध्यान आता है कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर है। इस अमृतकाल में भारत अपने 'स्व' की ओर बढ़ रहा है। अयोध्या में भव्य एवं दिव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। श्रीराम ने जिस संघर्ष और धैर्य के मार्ग को चुना था, उनके भक्तों ने भी मंदिर निर्माण के लिए उसी का अनुसरण किया। अब बेहिचक सरयू के तट पर दिव्य दीपावली मनायी जाती है। केदारधाम से लेकर काशी के विश्वनाथ मंदिर और अवंतिका (उज्जैन) में बाबा महाकाल का लोक साकार रूप ले रहा है। भारत जब करवट बदल रहा है, तब मध्य प्रदेश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की बेला में कहाँ पीछे छूट सकता है। मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने-संवारने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस संदर्भ में 'राम वन गमन पथ' के निर्माण का निर्णय करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो कहा, उसे समझना चाहिए- 'आज देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं'। मुख्यमंत्री का यह वक्तव्य संकेत करता है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इस दौर में मध्य प्रदेश चूकना नहीं चाहता है। स्वतंत्रता के समय से ही भारत को अपने सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को संवारने का जो काम शुरू कर देना चाहिए था, वह अब जाकर शुरू हो रहा है, तो फिर अब रुकना नहीं है। श्रीसोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के समय जो हिचक हमारे स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक नेतृत्व ने दिखायी, उस व्यर्थ की हिचक से वर्तमान नेतृत्व मुक्त है। हमारे वर्तमान नेतृत्व को न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव है अपितु वह उसके संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध भी दिखायी देता है।

मध्य प्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गति में तीव्रता 2016 के बाद दिखायी देती है, जब उज्जैन में आयोजित 'सिंहस्थ' के दौरान 'वैचारिक कुंभ' की महान परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया। वैचारिक महाकुंभ से निकले अमृत स्वरूपी 51 मार्गदर्शक बिंदुओं के प्रकाश में सरकार ने आगे बढ़ना शुरू किया। 'महाकाल लोक' का निर्माण भी उन्हीं 51 बिंदुओं में से एक था। शिवराज सरकार ने महाकाल लोक को साकार करके भारत की प्राचीन संस्कृति, उसके दर्शन एवं शिक्षाओं को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। महाकाल लोक के दर्शन के लिए लगातार बहुत बड़ी संख्या में देश-प्रदेश से लोग पहुँच रहे हैं। ये सब दर्शनार्थी/पर्यटक अपने साथ यहाँ से क्या लेकर जाते होंगे? निःसंदेह, भारत की ज्ञान-परंपरा और जीवनमूल्यों को सीखकर ही जाते होंगे। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए प्रतिबद्ध सरकार ने महाकाल लोक को मिल रहे जन-प्रसाद से उत्साहित होकर, सांस्कृतिक पुनरुत्थान की अगली कड़ी में ओरछा में श्रीराम राजा कॉरिडोर एवं वनवासी राम लोक, जाम सावली में हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माई पीतांबरा का धाम और श्रीराम वन गमन पथ का निर्माण करने का फैसला किया है। वहीं, ओंकारेश्वर में जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य की स्मृति में एकात्म धाम का विकास लगभग पूर्णता की ओर है। एकात्म धाम के विशाल परिसर में सात केंद्र बनेंगे, जो भारत के वास्तु और स्थापत्य कलाओं पर आधारित होंगे। यहाँ आचार्य शंकर की जीवन यात्रा पर केंद्रित संग्रहालय तो बनेगा ही, यह स्थान अद्वैत का शोध-संस्थान भी बनेगा। याद रखें कि ओंकारेश्वर आचार्य शंकर की ज्ञान स्थली है। यह वही स्थान है, जहां से अद्वैत दर्शन की शिक्षा प्राप्त करके उनके जीवन की महायात्रा आरंभ हुई थी। मूल रूप से उसी अद्वैत

दर्शन के लोकव्यापीकरण की दिशा में एकात्मधाम को विकसित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार 'श्रीराम वनगमन पथ' के निर्माण की दिशा में भी निर्णायक कदम बढ़ा चुकी है। वनवास के कालखंड में प्रभु श्रीराम जहां से गुजरे थे, उस मार्ग को विकसित करने की मांग हिन्दू समाज की ओर से काफी समय से की जा रही है। विभिन्न सरकारों ने भी कई बार 'राम वन गमन पथ' के निर्माण की घोषणा की है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल कभी नहीं हुई। पहली बार मध्य प्रदेश सरकार ने ठोस पहल करते हुए 'श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास' का गठन करने का निर्णय लिया है। राम पथ गमन के निर्माण को लेकर जिस प्रकार का संकल्प मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यक्त किया है, उसे देखकर विश्वास है कि जल्द ही यह स्वप्न भी साकार होगा। उल्लेखनीय है कि अपने 14 वर्षीय वनवास के दौरान भगवान श्रीराम की उपस्थिति सबसे अधिक समय तक मध्य प्रदेश में रही। एक प्रकार से राम की कृपा प्राप्त करने में मध्य प्रदेश सौभाग्यशाली रहा है। यहां राम ने 11 साल 11 महीने और 11 दिन का समय गुजारा। प्रदेश में सतना जिले के चित्रकूट से राम की वन की यात्रा शुरू होती है। कामतानाथ मंदिर चित्रकूट से राम स्फटिक शिला और गुप्त गोदावरी के बाद सती अनुसुइया आश्रम पहुंचे। इसके बाद सलेहा मंदिर पन्ना, मैहर से होते हुए कटनी जिले के बड़वारा से होते हुए राम जबलपुर के शाहपुरा पहुंचे। जबलपुर के ग्वारी घाट से भी राम गुजरे हैं। यहां से सतना जिले के राम मंदिर तालाधाम से शहडोल के सीतामढ़ी और फिर अमरकंटक पहुंचे। चूंकि सबसे अधिक समय राम ने मध्य प्रदेश में गुजारा इसलिए राम पथ का निर्माण मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी भी है। यह सुखद है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार आनंद के साथ अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आगे आई है। यह जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है, यह देश-प्रदेश की सर्वांगीण उन्नति का आधार भी बनेगा। भारत की एकता एवं अखंडता का सूत्र भी हमारी संस्कृति है। प्राचीन इतिहास के पृष्ठ भी जब हम उलटकर देखते हैं, तब हमें ध्यान आता है कि आचार्य चाणक्य से लेकर आचार्य शंकर तक ने भारत को शक्ति सम्पन्न एवं एकजुट करने के लिए संस्कृति का ही आधार लिया। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने भी अपने समय में देश को जोड़ने और एकात्म स्थापित करने के लिए सांस्कृतिक पक्ष पर ही काम किया। ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध देशभर में चल रहे आंदोलनों का प्राण भी संस्कृति थी। भारत भूमि के साथ उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक जो हमारा नाता है, उसका भी आधार संस्कृति है। दुनिया में भारत की संस्कृति ने ही सबसे पहले कहा था कि सबके मूल में एक ही तत्व है। जड़-चेतन में एक ही ब्रह्म है। इसलिए ही भारत में बाहरी तौर पर तो विविधता दिखाई देती है, किंतु अंदर से सब एक-दूसरे से जुड़े हैं। क्योंकि, सब मानते हैं कि सबमें एक ही तत्व है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने विश्व में जो सम्मान प्राप्त किया है, वह आर्थिक प्रगति से कहीं अधिक अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक जीवनमूल्यों के नाते किया है। यदि भारत अपनी संस्कृति को ही संभालकर नहीं रख सका, तब उसकी पहचान क्या रह जाएगी? विश्व में भारत राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति से रही है। संस्कृति भारत की आत्मा है। भारत की एकता का मुख्य आधार भी संस्कृति ही है। भारत की जो आत्मा है, जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने चिति कहा है, वह इस देश की संस्कृति है। गांधीवादी चिंतक धर्मपाल ने भी अपनी पुस्तक 'भारतीय चित्त, मानस और काल' में भारत के सांस्कृतिक पक्ष को रेखांकित करते हुए उसके मूल को समझाने का प्रयास किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक हम भारत के चित्त को नहीं समझेंगे, उसे जानेंगे नहीं और उससे जुड़ेंगे नहीं, तब तक हम भारत को 'भारत' नहीं बना सकते। अपने स्वभाव को विस्मृत करने के कारण ही आज अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। पिछले 70 वर्षों में एक खास विचारधारा के लेखकों, साहित्यकारों एवं इतिहासकारों ने आम समाज को 'भारत बोध' से दूर ले जाने का ही प्रयास किया। देश को उसकी संस्कृति से काटने का षड्यंत्र रचा गया।

संक्षिप्त समाचार

ओएनजीसी हरित ऊर्जा परियोजनाओं में एक लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने सोमवार को कहा कि कंपनी ऊर्जा बदलाव के तहत हरित परियोजनाओं में 2030 तक एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने 2038 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, जिसके लिये वह हरित ऊर्जा पर जोर दे रही है। इसके साथ, कंपनी जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये देश की प्रतिबद्धता के तहत शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन को लेकर रूपरेखा तैयार करने को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियों इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल), गेल और भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) की श्रेणी में आ गयी है।

दिल्ली के लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ गया है: सौरभ भारद्वाज

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक नाबालिग लड़की की हत्या की घटना को लेकर उपराज्यपाल वी के सक्सेना पर मंगलवार को निशाना साधा और कहा कि दिल्ली के लोगों का शहर की कानून-व्यवस्था प्रणाली से "भरोसा उठ" गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 16 वर्षीय लड़की की कथित रूप से उसके प्रेमी ने कई बार चाकू से वार कर और फिर पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। भारद्वाज ने मंगलवार को ट्वीट किया, "दिल्ली के लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। जो पुलिस महिला पहलवानों और मनीष सिसोदिया पर बल प्रयोग करती है, वह इन हत्यारों के सामने निर्बल नजर आती है। समस्या नेतृत्व में है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र की सत्ता में नौ साल, कहा- भाजपा सरकार का हर फैसला देश के हित में लिया गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने को चिह्नित किया। भाजपा के कार्यकाल को राष्ट्र की सेवा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हर फैसला और हर कदम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लागू किया गया। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, आज, जब हम राष्ट्र की सेवा में 9 साल पूरे कर रहे हैं, मैं विनम्रता और कृतज्ञता से भर गया हूं। हर निर्णय, और की गई हर कार्रवाई, लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की इच्छा से निर्देशित होती है। हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए और भी कठिन परिश्रम करते रहेंगे।

पीएम मोदी ने ट्विटर पर बीजेपी के नेतृत्व वाली विकास यात्रा की एक झलक भी साझा की। उन्होंने भाजपा शासन के तहत कुछ मील के पत्थर साझा करते हुए कहा, 'देश के विकास के लिए 9 साल का अटूट समर्पण।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बीजेपी के लिए मील का पत्थर बताया और ट्वीट किया, 'आज एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और दुनिया में गौरव के नए आयाम गढ़ रहा है, दूसरी तरफ, सरकार के पास विकास और गरीबों के कल्याण के नए मानक हैं।' प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कई केंद्रीय मंत्रियों ने मोदी सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को वित्तीय राजधानी में, भाजपा सरकार द्वारा लाए गए सुधारों और विकासात्मक परियोजनाओं की एक सूची बनाई। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्तमान में टैक्स को फेसलेस बना दिया गया है 'क्योंकि हम लोगों पर भरोसा करते हैं, और लोग बदले में पीएम मोदी पर भरोसा करते हैं।' केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा के नौ साल के शासन में विकास और तेज गति से विकास का एक नया अध्याय लिखा गया है। भारत के 'उभरते' वैश्विक कद से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर, गरीबों के लिए आवास और शौचालय जैसे कल्याणकारी उपाय, पाइप से पानी की आपूर्ति को बढ़ावा, बुनियादी ढांचा विकास और विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के प्रयास, प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्धृत पहलों में से थे।

रूस की राजधानी मॉस्को में ड्रोन से हमला, कई इमारतों को पहुंचा नुकसान

मॉस्को। ड्रोन हमले से कई इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचा है। मॉस्को के मेयर ने रूसी राजधानी पर ड्रोन हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि दो रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने मंगलवार सुबह रूसी राजधानी पर ड्रोन हमले की सूचना दी। सोबयानिन ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि हमले से कई इमारतों को क्षति हुई है। इसके साथ ही कहा कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। सोबयानिन ने कहा कि हमले में क्षतिग्रस्त हुई दो इमारतों के निवासियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अपुष्ट रिपोर्टों में कहा गया है कि लगभग 20 ड्रोन शामिल थे, जबकि रूसी अधिकारियों ने कहा कि उनमें से कई गिराए जाने के बाद इमारतों पर गिर गए। कीव की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन सोमवार को यूक्रेन के सैन्य खुफिया प्रमुख जनरल किरिलो बुडानोव ने कीव पर रूसी मिसाइल हमलों की एक श्रृंखला के लिए त्वरित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी। सोबयानिन ने कहा कि कुछ निवासियों को निकाला जा रहा है।

पटना में 12 जून को हो सकती है विपक्ष की बैठकः जदयू नेता

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक प्रमुख सहयोगी ने सोमवार को पुष्टि की कि विपक्षी दलों की बहुप्रतीक्षित बैठक यहां 12 जून को होने की संभावना है। बिहार के मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध में अधिकांश दलों के इस "बेहद महत्वपूर्ण बैठक" में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, "अब यह लगभग तय हो गया है कि भाजपा के विरोधी अधिकांश दलों की बैठक 12 जून को पटना में होगी"। चैधरी ने कहा, "अधिकांश विपक्षी दलों का मानना है कि अगर भाजपा के विरोधी एकजुट होकर लड़ते हैं तो भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी।"

जदयू नेता ने कहा, "'यह सच है कि पहल हमारे नेता नीतीश कुमार ने की है लेकिन हम किसी भी श्रेय का दावा नहीं करना चाहते। विपक्षी एकता केवल इसलिए एक

वास्तविकता बन रही है क्योंकि हमें समान विचारधारा वाले दलों से समर्थन मिल रहा है।" उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के "नौ साल बेमिसाल" अभियान का उपहास उड़ाते हुए कहा, "पिछले नौ सालों की पहले के समय से कोई तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि इस अवधि के दौरान देश महात्मा गांधी के आदर्शों से भटक गया।"

सेंगोल विवाद पर चौधरी ने सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि राजदंड सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक था। चौधरी ने बेगूसराय के पूर्व सांसद मोनाजिर हसन के जदयू से इस्तीफे पर भी प्रकाश डाला जिन्होंने रविवार को घोषणा की थी कि वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, "पिछले साल हमारी पार्टी ने एक बड़ा सदस्यता अभियान चलाया था। हालांकि हसन ने अपनी सदस्यता को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था। इसलिए वह जदयू के सदस्य नहीं रह गए थे।

हॉलीवुड में समुद्र तट के निकट गोलीबारी, नौ लोग घायल

हॉलीवुड। अमेरिका में फ्लोरिडा के हॉलीवुड में समुद्र तट के पास सोमवार शाम गोलीबारी की घटना में नौ लोग घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता डियाना बेट्टिनेस्की ने बताया कि कई घायलों को बच्चों के अस्पताल ले जाया गया। प्राधिकारियों ने उनकी आयु के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी है। 'मेमोरियल हेल्थकेयर सिस्टम' की प्रवक्ता यानेट ओबारियो सांचेज ने बताया कि घायलों में छह वयस्क और तीन बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दो समूहों के बीच झगड़े के कारण गोलीबारी हुई।

दलितों और पिछड़ों के प्रति सपा की षड्यंत्रकारी नीति थोड़ी भी नहीं बदली : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) की दो सीटों के लिए हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) की हार पर तंज कसते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि दलितों और पिछड़ों के प्रति सपा की षड्यंत्रकारी नीति थोड़ी भी नहीं बदली है। उन्होंने दलितों और पिछड़ों के साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों से भी सपा से सावधान रहने की अपील की।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को ट्वीट किया, "उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दो सीटों के लिए कल हुए उपचुनाव में, हार निश्चित होने के बावजूद, चुनाव में सपा द्वारा दलित व ओबीसी उम्मीदवार को खड़ा करना, हरवाना तथा ज्यादा संख्या बल होने पर इनकी अनदेखी करना यह साबित करता है कि इन वर्गों के प्रति सपा की षड्यंत्रकारी नीति थोड़ी भी नहीं बदली।

मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, "सपा व इनकी सरकारों

के दौरान ऐसी ही संकीर्ण व घृणित राजनीति के कारण दलितों, अन्य पिछड़ों का काफी अहित होता रहा है।" उन्होंने कहा," इसीलिए आगे ऐसे नुकसान से बचने के लिए इन वर्गों के लोगों को बहुत ही सावधान रहने की ज़रूरत है....।" सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को विधान परिषद उप चुनाव का परिणाम आने के बाद ट्वीट किया था जब दलित और पिछड़ों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, तभी उनको अपना अधिकार मिलेगा।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विधान परिषद की दो सीटों के लिए हुए उपचुनाव में जीत हासिल की। भाजपा के दोनों उम्मीदवारों ने अपने प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशियों को हरा दिया। लक्ष्मण आचार्य के इस्तीफे और बनवारी लाल दोहरे के निधन के बाद इन दोनों सीटों पर उपचुनाव करना जरूरी हो गया था। सिक्किम के राज्यपाल बनाए गए आचार्य का कार्यकाल जनवरी 2027 तक था जबकि दोहरे का कार्यकाल जुलाई 2028 में समाप्त होना था।

राजौरी में एक व्यक्ति के पास से हेरोइन एवं 31 मोबाइल फोन बरामद, आरोपी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में पुलिस ने मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके पास से 11 ग्राम हेरोइन और

31 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से 1.16 लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए। बयान के मुताबिक, कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर अजीज अहमद उर्फ ??सोनू चाइनीज को राजौरी शहर में स्थित उसके घर पर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। इस दौरान जिला नगर प्रशासन द्वारा तैनात कार्यकारी मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहे। बयान में बताया गया है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के घर से वजन नापने वाली दो मशीन, तीन कैमरे, तीन मोटर, चार एम्पलीफायर, एक इन्वर्टर, एक स्टेबलाइजर और एक स्पीकर भी बरामद किया है।

पुलिस ने कहा, ऐसा संदेह है कि छापेमारी के दौरान जो वस्तुएं बरामद हुई हैं, उनमें से कुछ चोरी की हैं, लेकिन यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल किस काम में होता था।" उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह ने कहा, तस्करों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है और आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा, "बच्चों और युवा पीढ़ी को नशे के जाल में फंसने से बचाने का सबसे पहला और सबसे कारगर तरीका यह है कि घर में माता-पिता उन पर नजर रखें।

रूस ने तड़के कीव को निशाना बनाया, यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणाली ने मार गिराए ड्रोन

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाकर मंगलवार तड़के हवाई हमले किए वहीं यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणाली ने बड़ी संख्या में ड्रोन मार गिराए। पिछले 24 घंटे में कीव पर रूस ने तीसरी बार हमला किया। आसमान में रूसी ड्रोन और भीषण विस्फोट की आवाजें सुनाई देती रहीं। कीव के सैन्य प्रशासन ने कहा कि शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कीव के हवाई क्षेत्र में हवाई रक्षा बलों ने 20 से अधिक शाहिद ड्रोन (ईरानी ड्रोन) को मार गिराया। कीव सैन्य प्रशासन ने कहा कि होलोसीव जिले में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, तीन अन्य घायल हो गए।

रूस ने दिन में कीव पर मिसाइलों से किया हमला

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव दिन के दौरान विस्फोट की आवाज से दहल गया क्योंकि रूस ने प्रमुख ठिकानों को निशाना बनाते हुए बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इससे पहले रात के समय शहर को ड्रोन और क्रूज मिसाइल से निशाना बनाया गया था। यूक्रेन के चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी ज़ालुज़नी के अनुसार, रूसी सेना ने कीव में पूर्वाह्न लगभग 11:30 बजे 11 बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा कि उन सभी को मार गिराया गया और सड़क से शहर के ऊपर नीले आकाश में सफेद धुएं के गुच्छे देखे गए। कीव सैन्य प्रशासन ने कहा कि मार गिरायी गई मिसाइलों का मलबा कीव के मध्य और उत्तरी जिलों में सुबह के दौरान गिरा।

प्रशासन ने कहा कि ये मलबा शहर की सड़क पर यातायात के बीच में गिरा और इससे एक इमारत की छत पर आग भी लग गई। उसने कहा कि इसमें कम से कम एक नागरिक के घायल होने की खबर है। विस्फोटों की वजह से कुछ स्थानीय लोगों में घबराहट उत्पन्न हो गई, जो रात के हमले की वजह से पहले से ही तनाव में थे। पचास वर्षीय महिला अलीना सेफोतोवा ने अपने कुत्ते

के साथ कीव मेट्रो में शरण ली थी। उसने कहा, "पिछली रात के बाद से सायरन की हर आवाज से मैं घबरा जा रही हूं। मैं बेहद डर गई थी और मेरे शरीर में अभी भी कंपन हो रही है।" केंद्रीय स्टेशन, तेतरलना में आश्रय लिये स्थानीय लोगों की भीड़ थी। विदेश में कानूनी सेवाएं प्रदान करने वाले चौबीस वर्षीय अर्टेम ज़्याला ने अपना लैपटॉप अपने साथ रखा था और भूमिगत होकर काम करता रहा। उसने कहा, "मैंने दो या तीन धमाकों की आवाज़ सुनी, शौचालय गया और फिर मैंने पांच या सात और धमाकों की आवाज़ें सुनीं। तभी मुझे एहसास हुआ कि कुछ भयानक हो रहा है।" यूक्रेन की वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इहनत ने स्थानीय टेलीविजन पर कहा कि रूस ने सुबह के हमले में कम दूरी तक मार करने वाली इस्कंदर मिसाइल का इस्तेमाल किया। इहनत ने कहा कि मिसाइल को कीव के उत्तर से दागा गया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सोमवार तड़के उसने लंबी दूरी की हवा से दागी जाने वाली मिसाइलों से यूक्रेन के हवाई ठिकानों को निशाना बनाते हुए श्रृंखलाबद्ध हमले किए। इसने दावा किया कि हमलों ने कमान पोस्ट, रडार, विमान और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया। इसने शहरों या अन्य असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाने के बारे में कुछ नहीं कहा। यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने चेतावनी देते हुए कहा कि नागरिक क्षेत्रों पर बार-बार हमले युद्ध अपराध के बराबर हैं। उन्होंने ट्वीट किया, शांतिपूर्ण यूक्रेनी शहरों पर रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों को सामान्य के तौर पर नहीं देखा जा सकता।" कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेर्ही पोपको ने कहा कि पिछली रात के दौरान, यूक्रेन के वायु रक्षा ने 40 से अधिक लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, जब रूसी सेना ने कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था।

साक्षी का पहले बॉयफ्रेंड से बात करना साहिल खान को नहीं आया रास, प्रवीण के नाम का टैटू देख बौखलाया

नयी दिल्ली। राहगीरो से भरी सड़क पर एक 16 साल की लड़की की 20 साल के लड़के ने 20 बार चाकू से गोद कर और एक बड़े से पत्थर से कुचल-कुचल कर उसकी हत्या कर दी। हत्या करते वक्त ये पूरी वारदात सीसीटीवी के कैमरे में रिकॉर्ड हो गयी। जैसे ही हत्या करते हुए ये वीडियो सामने आया लोगों की रूह कांप गयी। लड़का बेरहमी से लड़की को चाकू से गोदते जा रहा था। 20 बार चाकू मारने के बाद बगल में रखे सीमेंट के पत्थर से वह लड़की को मारता दिखा। उसने लड़की को अपने पैरों से भी मारा। लड़की की दर्दनाक मौत हो गयी। लड़की की मौत के साथ साथ एक दिल दहला देने वाली बात यह भी थी कि जवान-जवान लोग उस समय सड़क पर आ-जा रहे थे लेकिन बस मूक बनकर यह सब दखते रहे और किसी ने भी लड़के को नहीं रोका।

कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबित कथित तौर पर लड़के का नाम साहिल खान है। और लड़की का नाम साक्षी। लड़का लड़की के साथ हिंदू बनकर बात करता था। लड़की को जब लड़के की असलियत पता चली तो लड़की ने साहिल से दूरी बनाना शुरू कर दिया। जाता जानकारी के मुताबिक यह भी दावा किया जा रहा है कि लड़का साहिल किसी इंस्टाग्राम पर कुछ अन्य लड़कियों के भी संपर्क में था। फिलहाल पुलिस लड़की के पोर्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे है। लड़के को आज कोर्ट में पेश किया गया।

खबरों के मुताबिक हत्या के पीछे दूसरा एंगल प्यार में धोखा और हत्या है। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि लड़की किसी प्रवीण नाम के लड़के के साथ प्यार में थी लेकिन उसके साथ ब्रेकअप होने के बाद साक्षी और साहिल की बातचीत शुरू हो गयी। लड़की के साथ पर प्रवीण के नाम का टैटू देखकर साहिल ने अपना आपा खो दिया और लड़की को मौत के घाट उतारने का फैसला कर लिया। साक्षी का फिर से प्रवीण से बात करना साहिल को रास नहीं आ रहा था उसने 15 दिन से साक्षी की हत्या का प्लान बनाया था। 10 दिन पहले धारदार चाकू खरीदा था।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक युवक ने 16 वर्षीय एक लड़की की 20 से अधिक बार चाकू से वार कर और फिर पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। इस दौरान, पास से गुजरे राहगीरों ने आरोपी को रोकने की कोई कोशिश नहीं की। निर्मम तरीके से की गई इस हत्या का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद लोगों में काफी रोष है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय आरोपी साहिल को सोमवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया गया। बुलंदशहर के अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बजरंगबली चौरसिया ने बताया कि साहिल बुलंदशहर जनपद के पहासू थाना क्षेत्र के अटरेना गांव में अपनी बुआ के यहां आया था, जहां से उसे दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, ऐसा बताया जा रहा है कि आरोपी और मृतका साक्षी के बीच 'प्रेम संबंध' थे, लेकिन शनिवार को उनमें झगड़ा हो गया था। लड़की रविवार शाम को अपनी सहेली की बेटी के जन्मदिन की पार्टी के लिए खरीदारी करने गई थी, और तभी घनी आबादी वाले इलाके में आरोपी ने उसे रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, साहिल लड़की से रिश्ते खत्म होने के बाद गुस्से में थे और दोनों के बीच झगड़े ने उसे और आक्रोशित कर दिया, जिसके चलते उसने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि साक्षी के शरीर पर 34 घाव मिले हैं और उसकी खोपड़ी फट गई थी। अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को शक था कि साक्षी का उसके पूर्व प्रेमी से संबंध है और उसने कुछ दिन पहले उसे धमकी दी थी कि वह उसे मार डालेगा। उन्होंने कहा, "शुरुआती जांच से यह भी पता चला है कि

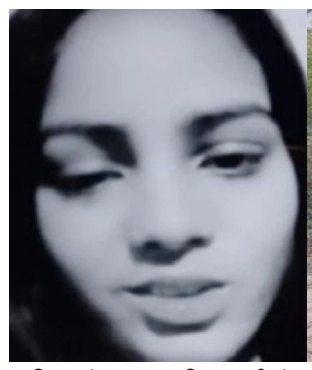

साहिल को शक था कि लड़की ने अपने पूर्व प्रेमी से बात करना शुरू कर दिया है और उसका उस लड़के से संबंध है। उसने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी।" इस घटना का लगभग 90 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, जिसमें आरोपी एक हाथ से लड़की को दीवार की तरफ धकेलकर बार-बार उस पर चाकू से वार करता नजर आ रहा है। वह लड़की के जमीन पर गिरने पर भी नहीं रुकता है, उस पर 20 से अधिक बार चाकू से वार करता है, उसे कई बार लात मारता है और फिर सीमेंट के स्लैब से उस पर कई बार हमला करता है। वीडियो में राहगीरों की चौंकाने वाली उदासीनता भी साफ दिखती है। वहां से गुजरते राहगीर घटना को देखते हुए नजर आते हैं, लेकिन बर्बर हमले से लड़की को बचाने के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। वीडियो में आरोपी बाद में घटनास्थल से सामान्य रूप से जाता दिखाई देता है। कुछ देर बाद वह फिर लौटता है और फिर से सीमेंट के स्लैब से लड़की पर हमला करता है। इसके बाद, वह घटनास्थल से फिर से आराम से जाता नजर आता है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस घटना पर कहा, "क्या कसूर था 16 साल की गुड़िया का, जो उसे इस तरह सड़क पर बेरहमी से मार डाला गया? दिल्ली में किसी को पुलिस और कानून का डर नहीं है। यदि आज कुछ नहीं किया गया, तो दरिंदगी की सारी हदें पार होती रहेंगी।" दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य नेताओं ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना पर हमला करते हुए कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने दावा किया कि यह 'लव जिहाद' का मामला है। भाजपा ने 'आप' की आलोचना करते हुए कहा कि वह इस घटना को 'सामान्य' हत्या और कानून-व्यवस्था के मुद्दे के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रही है। घटना को 'भयावह और अत्यंत व्यथित करने वाली' बताते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने ट्वीट किया, "कोई अशिक्षित व्यक्ति भी इतना निर्दयी नहीं हो सकता कि किसी की इतनी निर्मम हत्या कर दे। समाज की सोच में बहुत कमी आ रही है, इस पर काम करने की जरूरत है। वह जैसे सामाजिक माहौल में पला, वैसी ही उसकी सोच बनी। आजकल के समाज की स्थिति सोचने वाली है। परिवारों को सोचना चाहिए कि अपने लड़कों को कैसे पालें कि वे किसी की हत्या न करें।" शर्मा ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करने को कहा है। आयोग ने इस मामले को देखने के लिए सदस्य डेलिना खोंगडुप की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय दल का गठन किया है।

दिल्ली पुलिस की जनसंपर्क अधिकारी सुमन नलवा ने कहा कि साहिल फ्रिज और एसी ठीक करने का काम करता था। उन्होंने कहा कि वह अपने माता-पिता और तीन भाई-बहनों के साथ शाहबाद डेरी इलाके में किराये के मकान में रहता था। मृतका के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शाहबाद डेरी थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मृतका के परिवार से बात की, जिसने बताया कि वह साहिल नाम के लड़के के साथ थी। हम उसके घर पहुंचे और लड़का फरार मिला। तकनीकी निगरानी की गई। हमने उसके रिश्तेदारों से पूछताछ की और सभी तकनीकी पहलुओं पर काम किया।" उन्होंने कहा, "साहिल की बुआ के उसके अचानक आने के बारे में उसके पिता को फोन करने से पुलिस को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से उसे पकड़ने में मदद मिली। उसकी चिकित्सा जांच कराई गई और सोमवार रात तक हम दिल्ली पहुंच जाएंगे, जिसके बाद पुलिस उससे पूछताछ करेगी।"पुलिस ने बताया कि साहिल ने घटना के बाद अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था और एक बस से बुलंदशहर में अपनी बुआ के घर चला गया था। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब साहिल से मृतका के साथ उसके रिश्ते के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि उसकी जून 2021 से साक्षी से दोस्ती थी। उन्होंने बताया कि लड़की ने कुछ दिन पहले साहिल से बात करना बंद कर दिया था और हत्या से एक दिन पहले दोनों का झगड़ा हुआ था। पुलिस अधिकारी ने कहा, "लड़की के 2021 से साहिल से संबंध थे, लेकिन बाद में अक्सर उनकी लड़ाई होने लगी, जिससे उनके रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। लड़की ने साहिल से बात करना बंद कर दिया था और वह उसके साथ पूरी तरह से संबंध खत्म करना चाहती थी, लेकिन वह लड़की से संपर्क करता रहा और फिर से रिश्ता बनाना चाहता था।" उन्होंने कहा, "शनिवार को भी दोनों का झगड़ा हुआ था, जिससे उनके संबंध और खराब हो गए। यह हत्या के पीछे का कारण हो सकता है।" पुलिस साक्षी के हाथ पर 'प्रवीण' नाम के टैटू के बारे में भी और पता लगाने की कोशिश कर रही है, जो उसके अनुसार साहिल तथा लड़की के बीच आए दिन झगड़े की वजह हो सकता है। पोस्टमॉर्टम के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़की की खोपड़ी फटी हुई थी।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आप काम के सिलसिले में मिलना हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय में जिस कारण आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। परिवार में आपको सबका सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी और धार्मिक कार्य परिवार में संपन्न होंगे।

वृषभ राशिः आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। काम की भागदौड़ से अपने लिए कुछ समय निकालें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई बड़ा लेन-देन आज न करें। आर्थिक स्थिति में गिरावट महसूस करेंगे। वाद-विवाद से दूर रहें और वाणी पर संयम रखें। वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें।

मिथुन राशि : आज आप लम्बी यात्रा आदि पर जा सकते है, स्वास्थ्य में उतार चढाव बना रहेगा, यात्रा आदि में सावधानी बरते, व्यापार व्यवसाय में कोई नया काम आ शुरू न करे ,कोई बडी रकम उधार किसी को न दे ,परिवार में अपने से संबंध मधुर रखे

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा, आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, परिवार मैं मांगलिक कार्यक्रम के योग बनेंगे, आप अपने परिवार के साथ कहीं बाहर घूमने जा सकते है, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, कोई नई पार्टनरशिप शुरू कर सकते है, पत्नी से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह राशिः आज का दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं। परिवार में किसी की शादी विवाह का योग बन सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और व्यवसाय में नए अवसर बनेंगे। कोई नया वाहन आदि खरीद सकते हैं। न्यायालय पक्ष में विजय मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपका मन अपने किसी परिचित के व्यवहार से खिन्न दिखाई पड़ेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, केवल खान-पान पर ध्यान दें। कार्य क्षेत्र में आप परिवर्तन न करें। कोई बड़ा निर्णय आज न लें, नहीं तो हानि उठानी पड़ सकती है। व्यापार मे उतार-चढ़ाव बना रहेगा। परिवार में अपनो से मतभेद हो सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। किसी कार्य विशेष के चलते आपको बाहर जाना पड़ सकता है। कोई नया काम आज शुरू न करें। वाद विवाद से बचें। परिवार में आपसी कलह हो सकती हैं। व्यापार में नया जोखिम न लें।

वृश्चिक राशिः आज आप कहीं बाहर परिवार के साथ जा सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आप कोई नया काम या नई साझेदारी शुरू कर सकते हैं। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बन सकता है। पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और सामाजिक क्षेत्र में आपको अच्छे लोगों का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय में नए काम की योजना बन सकती है। आपका परिवार आपके हर निर्णय में साथ होगा। नया वाहन आदि खरीद सकते हैं।

मकर राशिः आज स्वास्थ्य में आप गिरावट महसूस करेंगे। आप कोई नया काम शुरू करने का सोच रहे हैं तो आपको विरोधीयों का सामना करना पड़ सकता है। व्यवसाय में हानि उठानी पड़ सकती है। आपका मन अशांत रहेगा और वाद विवाद से दूर रहें।

कुंभ राशिः आज आप सामाजिक क्षेत्र में अपमान का सामना कर सकते हैं। किसी लम्बी यात्रा पर आप जाएं तो वाहन आदि का उपयोग में सतर्कता बरतें। व्यापार क्षेत्र में किसी को बड़ी रकम उधार न दें, नहीं तो हानि उठानी पड़ सकती है। परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रहेंगे।

मीन राशिःआज आप अपने स्वास्थ्य में लाभ महसूस करेंगे। आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आज परिवर्तन कर सकते हैं। परिवार के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपके परिवार के लोग आपके किसी काम का विरोध कर सकते हैं।

अभिनेत्रियों को विशिष्ट पहचान दिलायी जीनत अमान ने

मुम्बई। बॉलीवुड में जीनत अमान को ऐसी अभिनेत्री के तौर पर शुमार किया जाता है जिन्होंने अपने खास अंदाज से परंपरागत ढर्रे पर चलने वाले मुख्यधारा के सिनेमा में परिवर्तन का सूत्रपात किया और अभिनेत्रियों को विशिष्ट पहचान दिलायी। उनके पिता अमानउल्लाह ने मुगले आजम और पाकीजा जैसी सुपरहिट फिल्मों में बतौर लेखक काम किया था। लेकिन महज 13 वर्ष की उम्र में जीनत के सिर से पिता का साया उठ गया। लेकिन लगभग पांच वर्ष तक जर्मनी में रहने के बाद महज 18 साल की जीनत मुंबई आ गयी ।मुंबई आने के बाद जीनत ने सेंट जेवियर कॉलेज से स्नातक की शिक्षा पूरी की और आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका के मशहूर कॉलेज कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय में चली गयीं।जीनत ने अपने कॅरियर की शुरूआत मशहूर पत्रिका .फेमिना . से बतौर पत्रकार के रूप में की लेकिन जल्द ही उनका मन इससे उचट गया और वह मॉडलिंग के क्षेत्र में उतर गयी ।इसके बाद जीनत अमान ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें वह दूसरी उपविजेता रही और बाद में उन्हें मिस इंडिया पैसिफिक प्रतियोगिता का खिताब जीता। जीनत अमान ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1971 में ओ.पी.रल्हन की फिल्म ..हलचल ..से की।

वर्ष 1971 में ही उन्हें एक बार फिर से ओ.पी.रल्हन के साथ फिल्म ..हंगामा ..में काम करने का मौका मिला ।दुर्भाग्य से उनकी दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर विफल साबित हुयी।जीनत अमान को प्रारंभिक सफलता वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म .हरे रामा हरे कृष्णा से मिली।इस फिल्म में जीनत अमान ने देवानंद की बहन की भूमिका निभायी थी।फिल्म में दमदार अभिनय के लिये जीनत अमान को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला।जीनत अमान के

अभिनय का सितारा निर्माता. निर्देशक नासिर हुसैन की 1973 में प्रदर्शित फिल्म ..यादों की बारात .. से चमका।बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की कामयाबी ने जीनत अमान को .स्टार. के रूप में स्थापित कर दिया।फिल्म में उन पर फिल्माया यह गीत ..चुरा लिया है तुमने जो दिल को .. आज भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता है।वर्ष 1978 में जीनत अमान को महान शो मैन राजकपूर की फिल्म ..सत्यम शिवम सुंदरम ..में काम करने का मौका मिला। फिल्म के कुछ दृश्यों में जीनत अमान ने जमकर अंग प्रदर्शन किया हांलाकि इसके लिये उनकी काफी आलोचना भी हुयी।यूं तो फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी लेकिन सिने दर्शकों का मानना है बतौर अभिनेत्री जीनत अमान के सिने करियर की यह सर्वश्रेष्ठ फिल्म है ।वर्ष 1978 में ही प्रदर्शित फिल्म ..डॉन ..जीनत अमान के करियर के लिये अन्य महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। इस फिल्म में जीनत अमान ने अपनी छवि में परिवर्तन करते हुए पहली बार एक्शन से भरपूर किरदार निभाया।जीनत अमान के लिये यह किरदार काफी चुनौती भरा था लेकिन उन्होंने अपने सहज अभिनय से न सिर्फ इसे सदा के लिये अमर बना दिया साथ ही भविष्य की पीढ़ी की अभिनेत्रियों के लिये इसे उदाहरण के रूप में पेश किया। 80 के दशक में जीनत अमान पर आरोप लगे कि वह केवल ग्लैमर वाले किरदार ही निभा सकती है लेकिन जीनत अमान ने वर्ष 1980 में प्रदर्शित बी आर चोपड़ा की फिल्म ..इंसाफ का तराजू.. में संजीदा किरदार निभाकर आलोचकों का मुंह सदा के लिये बंद कर दिया। वर्ष 1980 में ही जीनत अमान की एक और सुपरहिट फिल्म ..कुर्बानी ..प्रदर्शित हुयी। निर्माता निर्देशक फिरोज खान की फिल्म कुर्बानी में उन पर फिल्माया गीत ..लैला मैं लैला ऐसी मैं लैला ...या फिर ..आप जैसा कोई मेरी जिंदगी में आये.... बहुत ज्यादा लोकप्रिय हुया । जीनत अमान के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ खूब जमी।हेमा मालिनी के अलावा जीनत ही उन दुर्लभ अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने राजकपूर. देवानंद .अमिताभ .मनोज कुमार .धर्मेन्द्र .राजेश खन्ना .जीतेंद्र और शशि कपूर के आदि बड़े नायकों के साथ किसी फिल्म में काम किया।अस्सी के दशक में अभिनेता मजहर खान के साथ शादी करने के बाद जीनत अमान ने फिल्मों में काम करना काफी कम कर दिया।जीनत अमान ने अपने चार दशक लंबे सिने करियर में लगभग 90 फिल्मों में काम किया है। जीनत अमान इन दिनों बॉलीवुड में अधिक सक्रिय नहीं हैं।

कान्स में सिल्वर हुड वाले आउटफिट को लेकर ट्रोल हुईं ऐश्वर्या राय

मुम्बई। ऐश्वर्या राय बच्चन हमेशा अपने कान्स लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं और इस साल भी कुछ अलग नहीं रहा। दीवा ने 18 मई को कान्स 2023 रेड कार्पेट पर सोफी कॉउचर लेबल के शानदार सिल्वर गाउन में वॉक किया। जिस

चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह उसका संरचित विशाल हुड था जिसने उनके सिर को ढँक दिया था। जल्द ही, नेटिज़न्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। इस बीच, उनके कई प्रशंसकों ने उनके लुक को पसंद किया और मीठे शब्दों में उनकी तारीफ की। इस साल के कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने पहले रेड कार्पेट लुक के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन ने शानदार उपस्थिति दर्ज की। अभिनेत्री सारा अली खान और मृणाल ठाकुर कान में अलग-अलग दिनों में पारंपरिक से लेकर आधुनिक लिबास में नज़र आईं। खान 76वें कान फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर दोनों दिन डिजाइनर जोड़ी अबू जानी-संदीप खोसला के डिजाइनों में नजर आयीं। पहले दिन उन्होंने लहंगा और दूसरे दिन सफेद रंग की साड़ी पहनी थी।सारा अली खान ने कान की अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी साझा की हैं और कैप्शन दिया है ''मुझे लगता है कि फिर से कर सकते हैं।'' उन्होंने अपने पोस्ट में अंग्रेजी के 'कैन' शब्द के स्थान पर 'कान' का उपयोग किया है। वहीं 'सुपर30' और 'जर्सी' जैसी फिल्म में अभिनय करने वाली ठाकुर पहली बार कान आई हैं। रेट कार्पेट पर पहले दिन वह काले रंग की लेस से बने 'पैंटसूट' और सितारों से जड़ी जैकेट में नजर आयीं। ठाकुर ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा की हैं। वहीं दूसरे दिन उन्होंने फाल्गुनी शेन पीकॉक की डिजाइन सिल्वर साड़ी में नजर आयीं। भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ आए 'दहाड़' के अभिनेता विजय वर्मा ने काले रंग का 'टक्सुडो' पहनकर रेड कार्पेट पर एंट्री की। इसे गौरव गुप्ता ने डिजाइन किया है।पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने काले रंग का 'स्ट्रैपलेस गाउन' पहना था जिसे लेबनानी डिजाइनर सईद कोबेसी ने डिजाइन किया है। मॉडल अभिनेत्री उर्वशी राउतेला ने नारंगी रंग का 'ऑफ शोल्डर गाउन' पहना था, जिसे तारिक एडिज़ ने डिजाइन किया है।

सारा अली खान, ईशा गुप्ता, मानुषी छिल्लर, उर्वशी रौतेला रेड कार्पेट पर चलीं, भारतीय सितारों मे बिखेरे जलवे

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान, ईशा गुप्ता, मानुषी छिल्लर और उर्वशी रौतेला ने 2023 कान्स फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन रेड कार्पेट पर शिरकत की। अभिनेत्री सारा अली खान ने पहली बार कान फिल्म महोत्सव में शिरकत की और इस दौरान वह रेड कार्पेट पर पारंपरिक भारतीय पोशाक में नजर आईं। सारा 76वें प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर डिजाइनर जोड़ी अबू जानी-संदीप खोसला का डिजाइन किया लहंगा पहने नजर आईं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर तस्वीरें भी साझा कीं। अभिनेत्री ईशा गुप्ता भी लेबनीज के फैशन डिजाइनर निकोलस जेब्रान के 'थाई-हाई स्लिट' वाले सफेद रंग के गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। उन्होंने भी इंस्टाग्राम' पर तस्वीरें साझा कीं। उर्वशी रौतेला, जो प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में कोई नया नाम नहीं है, ने 16 मई को वार्षिक कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन किया।

कबीर सिंह की सीधी साधी प्रीति बनीं बॉम

मुम्बई। शाहिद कपूर की फिल्म कबीर सिंह से खूब तहलका मचाया था। फिल्म साल की सुपरहिट साबित हुई। शाहिद कपूर की गर्फफ्रेंड का किरदार फिल्म में कियारा आडवाणी ने निभाया था। फिल्म में कियारा आडवाणी ने एक सीधी साधी प्रीति नाम की स्टूडेंट का किरदार निभाया था। फिल्म में लोग प्रीति की पहचान कबीर सिंह की बंदी के नाम से ही थी। फिल्म में जिस तरह से कबीर सिंह और प्रीति का प्यार एंगल दिखाया गया इसे लेकर फिल्म का कुछ लोगों ने काफी विरोध भी किया था। तमाम विरोध के बाद भी फिल्म सुपरहिट साबित हुई। कबीर सिंह के बाद कियारा आडवाणी ने फिल्म गुड न्यूज़ में काम किया और फिर नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज गिल्टी से कियारा आडवाणी का एक नया रूप दुनिया ने देखा।

शहनाज गिल से अनफिल्टर बातचीत करते नजर आए नवाजुद्दीन सिद्दीकी

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें उनकी लाजवाब अदाकारी और दमदार अभिनय के लिए जाना जाता है। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' के लिए चर्चा में हैं। नवाजुद्दीन की ये फिल्म 26 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता इसका जमकर प्रचार करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में नवाजुद्दीन अभिनेत्री शहनाज गिल के चैट शो 'देसी वाइब्स' पर पहुंचे। इस दौरान अभिनेता ने शहनाज गिल के साथ कुछ अनफ़िल्टर्ड बातें की हैं।

शहनाज गिल ने रविवार को अपने शो 'देसी वाइब्स' के नए एपिसोड का नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शिरकत की थी। इस प्रोमो में अभिनेता प्यार पर अपनी राय देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं किसी और चीज में फ्रॉड हो सकता हूं, मैं झूठ भी बोलता हूं, लेकिन मैं प्यार में बहुत प्योर हूं। प्यार तो वही होता है ना जो

आंखों से आंखों में होता है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'आजकल बॉडीबिल्डर यहाँ से पहले पूरा फुलाते हैं तक फूल देते है लड़की को।' बता दें, पिछले कुछ समय से नवाजुद्दीन की निजी जिंदगी में विवाद चल रहा है। उनकी पत्नी आलिया ने उनपर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं आलिया ने अभिनेता पर मुक़दमे भी दर्ज कराए हैं।

प्यार के अलावा अपनी बॉलीवुड यात्रा पर भी नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बात की। उन्होंने कहा, 'लम्बा चलने के लिए जुगाड़ नहीं लगाने पड़ते। कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। थोड़े जुगाड़ जिंदगी में किए होंगे मैंने भी।' अभिनेता ने शहनाज के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की है। देसी वाइब्स का ये एपिसोड जल्द ही अभिनेत्री के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा।

फिर बड़े पर्दे पर साथ आएंगे रणबीर कपूर और अजय देवगन

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और अजय देवगन दोनों ही इंडस्ट्री के ऐसे कलाकार हैं जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए मशहूर हैं। रणबीर और अजय देवगन ने फिल्म 'राजनीति' में साथ काम किया था। इस फिल्म में दोनों ने सौतेले भाई की भूमिका निभाई थी, जिसके बाद दोनों एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ आने वाले हैं। इस बार दोनों लव रंजन की फिल्म में साथ काम करेंगे। गौरतलब है कि लव रंजन ने हाल ही में 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का निर्देशन किया था और इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद किया गया। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के बाद अब लव अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं और उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए रणबीर और अजय को साथ लाने का फैसला किया है। रणबीर और अजय भी इस फिल्म में काम करने वाले हैं और फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू की जाएगी। इस फिल्म से जुड़ने पर अजय देवगन ने कहा, 'रणबीर काफी अच्छे एक्टर हैं और वह हमेशा अच्छा परफॉर्मेंस देते हैं। वह हमारी पीढ़ी के सबसे टेलेंटेड एक्टर में से एक हैं'। वहीं रणबीर भी इस फिल्म से जुड़ कर काफी खुश हैं और फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वह एक बार फिर अजय देवगन के साथ काम करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं'। वहीं इस फिल्म और अजय देवर और रणबीर कपूर के बारे में बात करते हुए लव रंजन कहा, 'अजय और रणबीर की सहजता और बहुमुखी प्रतिभा विद्युतीकरण कर रही है और मैं दोनों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मेरी अगली फिल्म में दो पावरहाउस कलाकार काम कर रहे हैं'। हालांकि, लव रंजन ने अब तक अपनी अगली फिल्म के नाम और फिल्म से जुड़ी किसी भी दूसरी जानकारी के बारे में नहीं बताया है।

चॉल में रह कर भी विक्की ने देखे कामयाब एक्टर बनने के सपने

नई दिल्ली। बॉलीवुड के एक्टर विक्की कौशल एक ऐसे अभिनेता हैं जिन्होंने अपनी मेहनत के बल पर आज बॉलीवुड में अपना लोहा मनवाया है। विक्की कौशल को आज जितना लोग पसंद करते है

यह उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। विक्की कौशल के सिर पर किसी का बड़ा हाथ नहीं था, न ही वह किसी के बल पर आगे बढ़े। संघर्ष करने वाले एक्टर की तरह ही उन्होंने भी खूब ऑडिशन दिए और रिजेक्ट भी हुए। विक्की कौशल को इंडस्ट्री में लोगों ने पहचानना फिल्म 'मसान' से शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी एक्टिंग को और बेहतर किया और फिल्म राजी, संजू, जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया। अब बारी थी विक्की कौशल के सुपरस्टार बनने की। कहते है कि जिंदगी काबिल बनने का हर किसी को मौका देती हैं। विक्की कौशल को भी फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक से ये मौका मिला। एक फिल्म ने विक्की कौशल को अभिनेता से स्टार बना दिया। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली। इस फिल्म के लिए विक्की को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और एक फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया। विक्की कौशल की अगर शुरूआती जिंदगी पर नजर डाले तो, विक्की ने एक ऐसे परिवार में जन्म लिया था जो एक चॉल में रहता था। परिवार काफी आर्थिक तंगी से भी गुजर रहा था। विक्की के पिता बॉलीवुड में स्टंटमैन थे लेकिन उन्होंने भी शुरूआत में काफी तकलीफें झेली। बॉलीवुड में काम आसानी से नहीं मिलता ये बात विक्की के पिता जानते थे इस लिए विक्की के पिता चाहते थे कि विक्की कौशल अपनी पढ़ाई पूरी करके एक अच्छी नौकरी कर लें। विक्की कौशल लेकिन एक्टर बनना चाहते थे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले समाज की स्थापना में चुनौतियां

मुम्बई। फिल्म मीडिया ऐसा बहु आयामी कला माध्यम है जो कथा/घटना, दृश्य, अभिनय, गीत, संगीत, तकनीक आदि के माध्यम से जो प्रभाव पैदा करती है वह जरूरी नहीं कि किसी सम्वाद के शब्दों में सुनायी देता हो। न्यूटन भी ऐसी ही एक नायक प्रधान फिल्म है जिसमें सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक, आदि बहुत सारे विषयों को एक घटना कथा के माध्यम से समेटा गया है, जो देखने में साधारण लगती है। राजकुमार राव इस फिल्म के नायक हैं जो न्यूटन नाम के युवा पात्र के रूप में सामने आये हैं। देश में आज़ादी के बाद जो विकास हुआ उसमें बहुत सारे परिवार निम्न आर्थिक वर्ग से उठकर मध्यम वर्ग में सम्मलित हुए हैं। इन परिवारों में पीढियों के अंतराल के कारण या तो घुटन पैदा हुयी है या टकराव पैदा हुआ है। कथा नायक का नाम उसके परिवार द्वारा नूतन डकुमार रखा गया था पर उसी दौर में नूतन के नाम से कुछ महिलाएं इतनी लोकप्रिय हुयीं कि पुरुषों को यह नाम रखने में शर्म आने लगी। यही कारण रहा कि कथानायक ने स्वयं ही नू को न्यू और तन को टन करके अपना नाम न्यूटन कर लिया। इस तरह उसने नामकरण के पिता के परम्परागत अधिकार के विरुद्ध पहला विद्रोह किया। बाद में माँ बाप की इच्छा के विरुद्ध, एक कम शिक्षित, अल्पवयस्क, लड़की से शादी करने से इंकार करके दूसरा विद्रोह किया। नियमों और आदर्शों के लिए किये गये छोटे छोटे विद्रोह ही जब परम्परा की गुलामी को तोड़े जाते हैं तभी देश और समाज की जड़ता को तोड़ने वाले विद्रोहों की हिम्मत आती है। चुनाव का प्रशिक्षण देने वाला प्रशिक्षक जब उसके बार बार सवाल पूछने से खीझ कर उसका नाम पूछता है और न्यूटन बताने पर वह उसे समझाता है कि न्यूटन ने केवल गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत ही नहीं खोजा अपितु यह भी खोजा कि प्रकृति के जो नियम होते हैं वे सभी के लिए समान होते हैं चाहे वह किसी भी आर्थिक वर्ग का व्यक्ति हो। वैज्ञानिकता समानता का सन्देश भी देती है। फिल्म की कथा में कथा-नायक जो कलैक्टर कार्यालय में बाबू है, को चुनावी ड्यूटी में रिजर्व में रखा जाता है किंतु जब प्रिसाइडिंग आफीसर के रूप में नक्सल प्रभावित दण्डकारण्? में जाने से नियमों का ज्ञान रखने वाला एक बाबू तरह तरह के बहाने बना कर मना कर देता है तो कथानायक को वहाँ भेजा जाता है। उसके साथ में जो दूसरे सहयोगी जाते हैं वे ढुलमुल चरित्र के लोग हैं जो बयार के साथ बह कर निजी हित और निजी सुरक्षा की चिंता करने वाले लोग हैं, भले ही देश और नियमों के साथ कोई भी समझौता किया जा रहा हो। कथा-नायक इनसे भिन्न है। यह फिल्म बताती है कि हमारे लोकतंत्र की सच्चाई क्या है और हम सारे दुनिया के सामने सबसे बड़े लोकतंत्र का जो ढिंढोरा पीटते हैं उसके मतदाता की चेतना और समझ कितनी है। बड़े बड़े कार्पोरेट घरानों द्वारा खनिजों और वन उत्पाद के मुक्त दोहन के लिए नक्सलवाद का जो हौआ खड़ा कर दिया गया है, उससे सुरक्षा के नाम पर पूरे क्षेत्र में अर्धसैनिक बल तैनात हैं जो आदिवासियों का शोषण तो करते ही हैं उन्हें दबा कर भी रखते हैं। नक्सलियों के आतंक के नाम पर चुनाव का ढोंग किया जाता है व भयभीत चुनाव अधिकारियों को वहाँ जाने से रोक कर सुरक्षित नकली पोलिंग करा ली जाती है। कथा नायक से भी यही अपेक्षा की जाती है किंतु स्वभाव से विद्रोही और निर्भय कथा नायक हर हाल में नियमानुसार काम करने के लिए दृढ संकल्प है इसलिए उसकी सुरक्षा अधिकारियों से टकराहट होती है। इसमें उसके सारे सहयोगी निजी सुरक्षा और हित को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्था का साथ देते हैं जिस कारण वह अकेला पड़ जाता है। उससे केवल एक स्थानीय आदिवासी लड़की टीचर सहमत नजर आती है जो बूथ लेवल आफीसर के रूप में ड्यूटी पर है। विदेशी पत्रकार को दिखाने के लिए आदिवासियों को जबरदस्ती पकड़ कर बुलवाया जाता है, जिन्हें न तो वोट डालना आता है न ही वे चुनाव का मतलब ही समझते हैं व पूछते रहते हैं कि इससे फायदा क्या है। उस क्षेत्र में स्कूल और घर जला दिये गये हैं, युवा दिखायी नहीं देते केवल वृद्ध व महिलाएं दिखती हैं। बीएलओ लड़की बताती है कि गाँव वालों को पुलिस की बात मानने पर नक्सली परेशान करते हैं और नक्सली की बात मानने पर पुलिस परेशान करती है। नियम से काम करने वाला सनकी नजर आता है, जिससे धारा के साथ बहने वाले सभी असंतुष्ट रहते हैं, उसके हाथ केवल समय की पाबन्दी का प्रशंसा पत्र रहता है जबकि व्यवस्था का साथ देने वालों का परिवार माल में मंहगी शापिंग करता नजर आता है। राज कुमार राव, अमरीशपुरी, ओमपुरी, नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जैसे आम आदमी के चेहरे वाले बेहतरीन कलाकार हैं और इस फिल्म में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा को कायम रखा है। उनके साथ पंकज त्रिपाठी, और अंजलि पाटिल भी भूमिकाओं के अनुरूप अपने अभिनय से प्रभावित करते हैं। लेखक निर्देशक अमित वी मसूरकर ने फिल्म को जिस लगन से बनाया है उसी का परिणाम है कि फिल्म को 67वें बर्लिन फिल्म फेस्टिवल और ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है। इसे 90वें अकेडमी अवार्ड के लिए श्रेष्ठ विदेशी भाषा के वर्ग में चुना गया है। फिल्म को आस्कर अवार्ड के लिए 2018 के लिए नमित किया गया है। केन्द्र सरकार ने भी पहली बार किसी फिल्म को एक करोड़ रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। फिल्म में छत्तीसगढ के जंगलों का सौन्दर्य प्रभावित करता है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।